घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 136- गुरूवार 19- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

नवरात्र पर वैष्णो देवी में बिना आरएफआईडी कार्ड नहीं मिलेगी एंट्री

जम्मू,18 मार्च 2026। आज शुरू होने जा रहे पावन चैत्र नवरात्र के दौरान श्री माता वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपराज्यपाल के निर्देशों के बाद श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा,भीड़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि यात्रा मार्ग पर आरएफआईडी कार्ड प्रणाली का सख्ती से पालन किया जाएगा। केवल वैध कार्ड धारकों को ही भवन की ओर जाने की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे मार्ग को पांच जोन–कटड़ा,बाणगंगा,अर्धकुंवारी,ताराकोट-सांझीछत और भवन में बांटा गया है। पुलिस,सीआरपीएफ और सेना के समन्वय से एक मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार किया गया है, जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया दल भी शामिल रहेंगे। आधुनिक वायरलेस उपकरणों और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र के माध्यम से पूरे मार्ग की 24 घंटे रियल टाइम निगरानी की जाएगी। भीड़ अधिक होने की स्थिति में यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जाएगा। कटड़ा शहर में यातायात सुचारू रखने के लिए अवैध पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान चलेगा। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर चलने वाले पिठू, पालकी और पोनीवालों का कड़ाई से सत्यापन किया जा रहा है ताकि फर्जीवाड़े को रोका जा सके।

राजस्थान में तेल से भरा टैंकर पलटा,आग लगी,ड्राइवर जिंदा जला

जालोर, 18 मार्च 2026। राजस्थान के जालोर जिले में जैसलमेर-जामनगर नेशनल हाईवे (एनएच-68) पर बुधवार दोपहर एक खौफनाक सड़क हादसा हुआ। इथेनॉल से लदा एक टैंकर सिनवारा ओवरब्रिज पर पलट गया और उसमें भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि हाईवे पर करीब 200 मीटर तक का इलाका आग की लपटों में घिर गया। इस हादसे में टैंकर का ड्राइवर जिंदा जलकर मौत के मुंह में चला गया,जबकि उसके साथ बैठा चचेरा भाई किसी तरह कूदकर बच निकला। हादसा सिनवारा ओवरब्रिज के पास दोपहर करीब 2 बजे हुआ। गुजरात रजिस्ट्रेशन नंबर वाला टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था। अचानक संतुलन बिगड़ने से टैंकर पलट गया और उसमें भरा इथेनॉल रिसने लगा। ओवरब्रिज की ढलान के कारण तरल पदार्थ नीचे बहा और आग भड़क उठी। आग इतनी तेज थी कि सड़क पर 200 मीटर तक का क्षेत्र जलने लगा। हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आग की लपटें और काला धुआं हाईवे को ढकते दिख रहा है। टैंकर में ड्राइवर सुखराम (34 वर्ष) और उसका चचेरा भाई नरसीराम (26 वर्ष) सवार थे। सुखराम बाड़मेर के गुड़ामालानी स्थित मोखावा गांव के रहने वाले देदाराम मेघवाल के बेटे थे। हादसे में सुखराम टैंकर के अंदर फंस गए और आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। उनका शरीर पूरी तरह खाक हो गया। नरसीराम ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई और उन्हें सिनवारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नरसीराम ने बताया, 'हम गुड़ामालानी से सवार हुए थे।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई...5 लोगों को मानव तस्करी से बचाया,3.5 लाख नेपाली मुद्रा बरामद

सुपौल,18 मार्च 2026। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 45वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल ने मानव तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल करते हुए 5 व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिग (3 युवतियाँ और 1 युवक) तथा 1 वयस्क युवक शामिल हैं। द्वितीय कमान अधिकारी जगदीश कुमार शर्मा ने बताया कि 17 मार्च को मानव तस्करी की आशंका को देखते हुए सभी सीमा चौकियों पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सीमा चौकी नरपतपट्टी की पेट्रोलिंग टीम ने 3 युवतियों और 2 युवकों को संदिग्ध अवस्था में रोका।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग,9 जनो की मौत

दमकल ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया,2 ने छलांग लगाकर जान बचाई

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार,आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। बिल्डिंग के बेसमेंट, ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर कपड़े और कॉस्मेटिक सामान के स्टोरेज के लिए किया जा रहा था। सेकेंड और थर्ड फ्लोर पर लोग रहते थे। चौथे फ्लोर पर एक टिन शेड बना हुआ था। आग की लपटें वहां तक पहुंच गई थीं। घटना में मारे गए 8 लोगों के शव मणिपाल अस्पताल और एक महिला का शव आईजीआई अस्पताल लाया गया था। घायलों में दो का इलाज आईजीआई अस्पताल में चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में प्रवेश (33), कमल (39),आशु (35),लाडो (70),हिमांशी (22),दीपिका (28) और तीन नाबालिग लड़कियां (15,6 और 3 साल) शामिल हैं। अनिल (32) और 2 साल की एक बच्ची आईजीआई अस्पताल में भर्ती हैं। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सचिन (29) लगभग 25% झुलस चुके हैं।

पीएम ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख मुआवजे का ऐलान किया

पालम आग हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताते हुए मुआवजे का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार दिए जाएंगे। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी घटना पर दुख जताया और पार्टी कार्यकर्ताओं से पीड़ितों की मदद करने की अपील की।

अधिकारी बोले...नीचे लपटें और ऊपर घना धुआं था

दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी एस. के. दुआ ने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। जब हमारी पहली टीम मौके पर पहुंची, तो नीचे आग की लपटें और ऊपर घना धुआं था। हमारे पहुंचने से पहले दो लोग इमारत से कूद गए थे,जिन्हें लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग घायल हैं। आग पर अब पूरी तरह काबू पा लिया गया है, हालांकि कूलिंग ऑपरेशन जारी है। इसके बाद बिल्डिंग में एक बार फिर सर्च और रेस्क्यू किया जाएगा।

असम से कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में शामिल

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। असम के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद वह औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। इसके साथ ही असम विधानसभा चुनाव 2026 के ऐन मौके पर कांग्रेस पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। सांसद प्रद्युत बोरदोलोई बुधवार को नई दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा, भाजपा सांसद प्रदान बरुवा,सांसद कामाख्या प्रसाद तासा आदि मौजूद थे। यह स्थिति असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के भाजपा में शामिल होने के एक महीने से भी कम समय के अंदर उत्पन्न हुई है। इससे चुनावों से पहले कांग्रेस के नेतृत्व आधार में लगातार हो रही कमी को लेकर पार्टी के भीतर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

भव्य योजना को केंद्र की मंजूरी...100 इंडस्ट्रियल पार्क बनेंगे

33 हजार करोड़ लागत,यूपी में बाराबंकी-बहराइच के बीच 7000 करोड़ से बनेगा 4-लेन हाईवे

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना को मंजूरी दी है। 33,660 करोड़ रुपए लागत वाली इस योजना के तहत देशभर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि योजना के तहत बनने वाले इंडस्ट्रियल पार्क में उद्योगों के लिए जमीन, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का मानना है कि इस योजना से देश में निवेश बढ़ेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से बहराइच के बीच 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड नेशनल हाईवे-927 के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर करीब 6,969 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

2,585 करोड़ की स्मॉल हाइड्रो पावर स्कीम को मंजूरी : केंद्र सरकार ने देश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 2,585 करोड़ रुपए की स्मॉल हाइड्रो पावर डेवलपमेंट स्कीम को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के तहत 1,500 मेगावाट क्षमता की छोटी जल विद्युत परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। यह योजना अगले पांच सालों में 2030-31 तक लागू की जाएगी। इसके तहत परियोजनाएं रन-ऑफ-द-रिवर मॉडल पर विकसित होंगी, जिससे बड़े बांध बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और लोगों के विस्थापन से बचा जा सकेगा। सरकार के अनुसार देश में 7,133 स्थानों पर छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स की संभावना है, जिनकी कुल क्षमता करीब 21,000 मेगावाट है। फिलहाल 1,196 स्थानों पर 5,100 मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट संचालित हो रहे हैं। सरकार का अनुमान है कि इस योजना से करीब 15,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

देवगौड़ा ने मोहब्बत हमसे, शादी मोदीजी से की : खड़गे

राज्यसभा में पीएम हंसे,देवगौड़ा का जवाब...मेरी जबरन शादी कराई, इसलिए तलाक लेना पड़ा

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी स्पीच के दौरान पूर्व पीएम और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा का जिक्र किया। उन्होंने कहा...मुझे पता नहीं कि उन्हें (देवगौड़ा) क्या हुआ। उन्होंने मोहब्बत हमसे की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की। खड़गे की बात सुनकर राज्यसभा में मौजूद सभी लोग ठहाके लगाने लगे। प्रधानमंत्री मोदी भी हंसते हुए नजर आए। खड़गे की टिप्पणी पर देवगौड़ा ने देर शाम एक लेटर लिखकर जवाब दिया और बताया जब खड़गे सदन में बोल रहे थे, तब वे वहां मौजूद नहीं थे। देवगौड़ा ने आगे लिखा- अगर मैं अपने मित्र खड़गे को उसी शादी वाली भाषा में जवाब दूं, तो मैं कहना चाहूंगा कि मैं कांग्रेस के साथ जबरन शादी में था,लेकिन वह एक अपमानजनक रिश्ता था, इसलिए मुझे उनसे तलाक लेना पड़ा।

देवगौड़ा सहित 59 सांसदों की राज्यसभा से विदाई

बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच राज्यसभा से रिटायर हो रहे 59 सांसदों को विदाई दी गई। इनमें पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, सभापति हरिवंश,आरपीआई नेता रामदास आठवले शामिल हैं। हालांकि पवार और आठवले राज्यसभा के लिए फिर चुन लिए गए हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने संसद को एक ओपन यूनिवर्सिटी बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं होता। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। आपका अनुभव हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा बना रहेगा।

मोदी ने कहा- संकट के समय काम हरिवंशजी के जिम्मे आता है

पीएम मोदी ने कहा, हमारे उपसभापति हरिवंशजी को लंबे समय तक इस सदन में जिम्मेदारी निभाने का मौका मिला। मृदुभाषी हैं। संकट के समय काम उनके ही जिम्मे आता है कि आप संभाल लेना जरा। उनको एक लंबा अनुभव होता है। सबको भली भांति जान लेते हैं। लेकिन उनका भी योगदान है। मैंने देखा है कि सदन का समय नहीं होता तो कहीं न कहीं वे देश के यूथ से मिलना जुलना करते रहे हैं। वे काम के धनी तो हैं ही कर्म कठोर के नाते भारत के हर कोने में जाकर काम किया है।

हुमायूं कबीर की पार्टी 182 सीटों पर लड़ेगी चुनाव,ममता के खिलाफ उम्मीदवार का ऐलान

कोलकाता,18 मार्च 2026। तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बुधवार को अपनी नई पार्टी जनता उन्नयन पार्टी के 15 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। उन्होंने घोषणा किया कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट से एक मुस्लिम उम्मीदवार उतारेगी। पिछले वर्ष तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किए गए विधायक हुमायूं कबीर हाल के महीनों में मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने की अपनी योजना को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिस पर राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। संवाददाता सम्मेलन में कबीर ने कहा कि हम 182 सीटों पर उम्मीदवार दे रहे हैं। आज हम मालदा और मुर्शिदाबाद के उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। पूरी सूची रविवार को दोपहर एक बजे जारी की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उनकी पार्टी के साथ तालमेल में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन भी कुछ सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। विधायक कबीर ने बताया कि उनकी पार्टी दक्षिण कोलकाता की हाई प्रोफाइल भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी के खिलाफ पूनम बेगम को उम्मीदवार बनाएगी, जो गैर-बंगाली मुस्लिम उम्मीदवार हैं।

इंदौर में इलेक्ट्रिक कार के चार्जिंग पॉइंट में ब्लास्ट से मकान में लगी आग,8 लोगों की मौत,चार घायल

इंदौर,18 मार्च 2026। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में बंगाली चौराहा के पास स्थित तिलक नगर इलाके में बुधवार सुबह चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक कार (टाटा पंच) में शॉर्ट सर्किट से आग ने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया और उनकी बहू सिमरन समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के समय पूरा परिवार घर में सो रहा था, इसलिए किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखे गैस सिलेंडर भी फट गए,जिससे हालात और भयावह हो गए। वहीं, बिजली गुल होने से डिजिटल लॉकिंग सिस्टम बंद हो गया। कई लोग घर के अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार,बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में पुगलिया परिवार के घर के बाहर देर रात इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पर लगी थी। सुबह करीब चार बजे चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कार ने आग पकड़ ली। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया और घर के भीतर फैल गई। हादसे के समय पुगलिया परिवार के घर में पारिवारिक कार्यक्रम चल रहा था, जिसके कारण कई सदस्य और रिश्तेदार एक साथ मौजूद थे। घर के अंदर दस से ज्यादा गैस सिलेंडर और ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। आग की चपेट में आते ही सिलेंडरों में विस्फोट शुरू हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कुंदन मंडलोई के अनुसार, आग लगने की इस घटना में आठ लोगों की मौत हुई है। मृतकों में मकान मालिक मनोज जैन पुंगलिया (65), उनकी बहू सिमरन पुगलिया (30), विजय सेठिया (65),पत्नी सुमन सेठिया (60),छोटू सेठिया (22),राशि सेठिया (12),टीनू (35) और तनय (8 वर्ष) शामिल है। हादसे में बुरी तरह के झुलसे चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें मनोज पुगलिया की पत्नी सुनीता, मनोज पुगलिया के पुत्र सौरभ,सोमिल और हर्षित शामिल हैं। इंदौर के इस हादसे में मरने वालों में बिहार और राजस्थान के परिवार भी शामिल हैं। बिहार के किशनगंज से आए विजय सेठिया, उनकी पत्नी और बेटा तथा राजस्थान के कोटा से आई उनकी बेटी टीनू और दोनों नाती-पोते (तनय और राशि) अब इस दुनिया में नहीं रहे। पड़ोसी दुकानदार सौरभ ने बताया कि बिहार के किशनगंज निवासी विजय सेठिया कॉस्मेटिक कारोबार से जुड़े थे। उन्हें जबड़े में कैंसर था। इसलिए वह ऑपरेशन कराने परिवार के साथ अपने बेटी-दामाद के घर इंदौर गए थे।

मुख्यमंत्री ने हादसे पर व्यक्त किया दुःख

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में हुई अग्नि दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है,हमारी संवेदनाएं सभी शोकाकुल परिजन के साथ हैं। उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की है। राज्य के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भी हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि इंदौर में शॉर्ट सर्किट के कारण हुई हृदयविदारक दुर्घटना अत्यंत दुःखद एवं मर्माहत करने वाली है। इस असामयिक हादसे में जिन नागरिकों ने अपने प्राण गंवाए, उनके प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राज्यों को 10% एक्स्ट्रा एलपीजी कोटा मिलेगा

पीएम मोदी ने पेट्रोलियम मंत्री के साथ बैठक की

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। ईरान-इजराइल जंग के बीच भारत में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत बनी हुई है। इसी बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि राज्यों को 10% ज्यादा एलपीजी कोटा देने का ऑफर दिया गया है। साथ ही राज्यों से धीरे-धीरे एलपीजी की जगह पीएनजी अपनाने में मदद करने को कहा गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू एलपीजी उत्पादन 40% बढ़ा है लेकिन हालात पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं। एलपीजी की दिक्कत अभी भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग बेहतर हुई है लेकिन डिस्ट्रीब्यूटर के यहां अभी भी लंबी लाइनें लग रही हैं। वहीं कच्चे तेल-गैस की सप्लाई को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संसद भवन में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ बैठक की। इसमें कच्चे तेल और गैस की उपलब्धता, उनके इम्पोर्ट और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की गई। करीब 2 घंटे चली बैठक में सरकार ने अपने आपातकालीन तेल भंडार की भी समीक्षा की है। जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक देश के पास कुछ हफ्तों का तेल स्टॉक मौजूद है, जिससे फिलहाल संकट की संभावना कम है। दरअसल होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनियाभर में तेल सप्लाई पर असर पड़ा है। हालांकि युद्ध के माहौल में भारत के तीन जहाज शिवालिक,नंदा देवी और जग लाडकी तेल-गैस लेकर गुजरात के पोर्ट्स पर पहुंचे हैं।

सरकार की अपील- एलपीजी की जगह पीएनजी अपनाएं : पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी ने बताया कि 93% एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन हुई है। सरकार ने लोगों से कहा है कि एजेंसी पर जाने से बचें और सिर्फ आधिकारिक ऐप या वेबसाइट से ही बुकिंग करें,अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार सख्ती कर रही है। इसी के तहत मंगलवार को देशभर में 2300 से ज्यादा एलपीजी दुकानों पर अचानक जांच की गई। अधिकारी ने बताया कि सरकार ने लोगों से अपील की है कि जहां पीएनजी सुविधा है,वहां एलपीजी की जगह पीएनजी अपनाएं, इससे सप्लाई का दबाव कम होगा और यह ज्यादा सुरक्षित भी है। उन्होंने बताया कि एलपीजी कैरिअर नंदादेवी और शिवालिक से एलपीजी डिस्चार्ज चल रहा है। किसी भी पोर्ट पर कोई कंजेक्शन नहीं है। मंत्रालय पूरे हालात की निगरानी कर रही है।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है,जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण,मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल,यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों,निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है।

जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल,खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है। ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है। पूरे भारत में,पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है। अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी,जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती।

कार्यस्थल,महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म अवकाश

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा,थकान,चक्कर,या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त,अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है,जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज़ माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं,तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है...

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार (हरियाणा)

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है,किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच,मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता,समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है,तब 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं,ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं,या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है। कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है,तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार,स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि,इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा,तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में,जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है,वहाँ नियोक्ता महिलाओं को 'अतिरिक्त दायित्व' के रूप में देखने लग सकते हैं। इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को 'कम सक्षम' या 'कम विश्वसनीय' कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी,जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप,महिलाओं को उच्च पदों,नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार,जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है,वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए,तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है,जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि 'अनिवार्य' शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है। इसके अलावा,यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं,तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा 'समान व्यवहार' नहीं बल्कि 'न्यायसंगत व्यवहार' भी होता है,फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

कई देशों के अनुभव भी इस बहस को जटिल बनाते हैं। कुछ स्थानों पर मासिक धर्म अवकाश की नीति लागू होने के बावजूद महिलाओं ने इसका उपयोग कम किया है,क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके प्रति नकारात्मक धारणा बन सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है; कार्यस्थल की संस्कृति और मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि संस्थान का वातावरण संवेदनशील और सहयोगी नहीं है, तो कर्मचारी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने में संकोच कर सकते हैं। इस संदर्भ में कुछ विशेषज्ञ 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' के बजाय 'लचीली और वैकल्पिक नीति' का समर्थन करते हैं।

उनका मानना है कि कर्मचारियों को यह स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अवकाश ले सकें। उदाहरण के लिए, सामान्य चिकित्सा अवकाश या लचीले कार्य समय की व्यवस्था ऐसी हो सकती है जिसमें महिला कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर घर से काम कर सकें या कुछ समय के लिए विश्राम ले सकें। इस प्रकार की व्यवस्था व्यक्तिगत जरूरतों का सम्मान करती है और साथ ही अनिवार्यता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम कर सकती है।

इसके साथ ही,कार्यस्थलों पर मासिक धर्म से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वच्छ शौचालय,सैनिटरी उत्पादों की उपलब्धता, और संवेदनशील कार्य वातावरण महिलाओं के लिए अत्यधिक सहायक हो सकते हैं। कई बार अवकाश से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि कार्यस्थल ऐसा हो जहाँ महिलाएँ बिना झिझक अपनी आवश्यकताओं के बारे में बात कर सकें और उन्हें आवश्यक सहयोग मिल सके। वास्तव में,इस पूरी बहस का मूल प्रश्न यह है कि समानता का अर्थ क्या है। क्या समानता का अर्थ यह है कि सभी कर्मचारियों के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाए,या फिर यह कि उनकी भिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें न्यायसंगत सुविधाएँ दी जाएँ? आधुनिक नारीवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि वास्तविक समानता तभी संभव है जब जैविक और सामाजिक अंतर को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाई जाएँ। इस दृष्टि से मासिक धर्म अवकाश का विचार पूरी तरह से अनुचित नहीं है। लेकिन इसे इस प्रकार लागू करना आवश्यक है कि यह महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम साबित करने के बजाय उनकी गरिमा और अधिकारों को मजबूत करे। अंततः यह कहा जा सकता है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा प्रस्तुत करती हैं। एक ओर वे महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और संवेदनशीलता को मान्यता देती हैं, वहीं दूसरी ओर वे अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने का जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। इसलिए नीति निर्माण में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अनिवार्यता के बजाय लचीली नीतियाँ, जागरूकता और संवेदनशील कार्यस्थल संस्कृति इस दिशा में अधिक प्रभावी समाधान हो सकते हैं। समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें,तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

पवित्र चैत्र नवरात्रि...नौ माताओं के महापर्व के साथ हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

नवरात्रि का पहला दिन यानी प्रतिपदा तिथि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री को समर्पित माना जाता है। इस दिन जौ (जवार)बोने तथा कलश स्थापना पूजन के साथ ही देवी का पूजन किया जाना शुभ माना जाता हैद्य यह भी शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी ,नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता है। द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करते समय सफेद,पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। इस दिन पीला,लाल,दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माने जाते हैं एवं इन रंगों के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में चतुर्थ दिवस में इस भव संसार के ब्रह्मांड की रचना करने वाली दुर्गा मां के चौथे रूप के रूप में देवी कुष्मांडा की आराधना एवं भक्ति की जाति है। इस दिन इस प्रकृति की देवी के स्वरूप की मन से आराधना करना शुभ फल देने वाला है एवं देवी प्रकृति की देवी हैं इनकी उपासना इस दिवस में पीला ,हरा,लाल और भूरे रंग का वस्त्र पहनकर करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है एवं देवी प्रसन्न होती हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचम दिवस पर पंचमी तिथि को भगवान कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की आराधना एवं श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर छठवें दिन ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी मां की पूजा अर्चना का शास्त्रों में पूजा का विधान माना जाता है। माता कात्यायनी अमोघ फलदाईनी होती हैं भक्तों द्वारा इस दिन लाल,नारंगी,गुलाबी, गेरुआ,मूंगा रंग के कपड़े पहनकर माता रानी की पूजा करने से ऐश्वर्या के साथ वैवाहिक जीवन में शांति सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा तथा अर्चना का विधान है, नवरात्रि की पूजा में तंत्र साधना करने वाले लोग इस दिन काले रंग का वस्त्र धारण करके इनकी पूजा अर्चना करते हैं साधकों को इस दिन बैगनी,स्लेटी,नीला एवं आसमानी रंग का वस्त्र धारण कर मां के इस दिव्य रूप की पूजा अर्चना करनी चाहिए जिससे संपूर्ण ग्रह बाधाएं दूर होती हैं। नवरात्रि के आठवें दिन सर्व सौभाग्य दाइनी देवी महागौरी की उपासना का दिन माना जाता है। यह अत्यंत पवित्र दिन होता है और यह देवी धन,वैभव,सुख,शांति की शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। इनकी पूजा के दौरान साधकों को रातों को केसरिया संतरी गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करके पूजा करनी चाहिए जिससे सुख एवं सौभाग्य की अखंड प्राप्ति होती है। शिवरात्रि मैं माताओं के नौ रूपों में दुर्गा पूजा के नौवें तथा आखरी दिन संपूर्ण विधि विधान,रीति रिवाज और पूर्ण निष्ठा के साथ देवी की आराधना करने वाले साधकों को संपूर्ण सिद्धियां प्राप्त होती हैं और इनकी उपासना के समय हरा धागों को लाल गुलाबी नारंगी रंग के वस्त्र पहनने से समाज में पद प्रतिष्ठा वैभव एवं धन की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है। आप सभी को चैत्र नवरात्रि कथा हिंदू नव वर्ष की अनंत शुभकामनाएं एवं बधाइयां।

मोनिका डागा
'आनंद'

हिंदू नववर्ष

विभिन्न परंपराओं का समावेश बढ़ता है उत्कर्ष,
चैत माह शुक्ल पक्ष से आरंभ होता हिंदू नववर्ष,
अनेक नामों से हैं जग विख्यात हिंदू नव संवत्सर,
प्रकृति भी गाती मंगल गीत जन-मानस में हो हर्ष ।

चैत माह के नवरात्रों का होता है यहीं से आरंभ,
नौ दिन देवी की आराधना करते भक्तगण प्रारंभ,
नई उमंग नई चेतना नया उत्साह उल्लास अपार,
आशीर्वाद से शक्ति की सुखी जीवन का शुभारंभ ।

अत्यंत पुण्यदाई तिथि ये करें वेद पुराण उल्लेख,
'आनंद' बरसाने वाला बसंत भी आ गया है देख,
होता आध्यात्मिक चेतना का पुनर्जागरण प्रखर,
भक्ति व शक्ति का समन्वय बदले भाग्य की रेख ।

भारतीय संस्कृति की विविधता पर सभी को गर्व,
तिथि विशेष त्यौहार मनाएं विभिन्न राज्य ये सर्व,
बढें भारत शुभेच्छा यहीं जगमग सारा हो परिवार,
गुड़ी पड़वा, नवरेह, चेटीचंड, विशु, बिहू समृद्धि पर्व ।

अनिल कौशिक
क्योड़क,कैथल
(हरियाणा)

आये नवरात्र

नवरात्रों की महिमा न्यारी गाते वेद-पुराण।
सिंह वाहिनी शेरोंवाली परम दयालु महान ।
श्रद्धा भाव घी बाती लेकर अखंड ज्योत जलाते।
मैया संग भैरव लांगुर वीरा चौकी पर बिठलाते।
जग जननी पहाड़ों वाली रहती गुफा के अंदर।
जय माता दी कहते जाना भाये स्वरूप अति सुंदर।
बाणगंगा में डुबकी लगा करें चरण पादुका दर्शन।
गर्भ जून मन भाव जनाती जीवन पथ आकर्षण।
तीन पिंडी मां गुफा विराजे सुख संपत्ति भरे भंडारे।
ब्रह्माणी रुद्राणी तेरे तीन लोक गूंज रहे जयकारे।
कृपा दृष्टि मां सब पर करना शरण तुम्हारी आएं।
शिव शक्ति मां शक्ति देना व्रत तेरे रख पाएं।
मधु कैटभ महिषासुर मर्दिनी वाचा तेरे गुण गाते।
अमृत बरसा करना अंबे तुझ पर बलि- बलि जाते।
अष्टमी को अष्टभुजी मां कंजक रूप घर आना।
हलवा चना भोग लगा मां-बेटे की प्रीत निभाना ।
अरज यह कर जोर करूं जग को यह समझाना।
गर्भ में पलते कन्या भ्रूण की हत्या मत करवाना।

गजल

ऐ जिन्दगी बता कहाँ कहाँ कमी कोई यहाँ निकली

मैं उससे प्यार करता था मगर वो बेवफ़ा निकली,
ऐ जिन्दगी बता कहाँ कहाँ कमी कोई यहाँ निकली।

न शिकवा था निगारों (सुंदर चेहरों) से,न गैरों से बुराई थी,
लिखी जो हाथ की लकीरों में,बस वो
बद-गुमां (बुरी तकदीर) निकली।

सदाक़त (सच्चाई) की वकालत में,गवाही कौन देता अब,
अदालत वक्त की थी और मुंसिफ़ (जज) की ही खता निकली।

सँवारा था जिसे मैंने अपनी रातों को जला कर के,
वो क़िस्मत की लकीरें ही दुश्मने जां यहाँ निकलीं।

बहुत मसरूफ़ थे वो अपनी दुनिया को सजाने में,
हमारी बेबसी ही वक्त का बेसबहा तोहफ़ा निकली।

जिन्हें मल्लाह (नाविक) समझा था, वही लहरों के साथी थे,
किनारे पर पहुँचते ही जो कश्ती थी वो फना (नष्ट) निकली।

मुश्ताक! यूँ ही नहीं टूटा है शीशा मेरी चाहत का,
मेरे हक़ में मुक़द्दर की बड़ी गहरी सजा निकली।

डॉ. मुश्ताक
अहमद शाह

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

20 मार्च विश्व गौरैया दिवस पर विशेष : प्रकृति की नन्ही दूत है चिड़िया

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व गौरैया दिवस नन्ही घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और ध्यान की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं,जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों,खेतों,बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल,मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है। जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों,कस्बों,गांवों और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं। गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके। गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारो का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सदभावना का संदेश लेकर आती है। आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला था। वहीं आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है।

चैत्र नवरात्रि आज से...मंदिरों में प्रज्ज्वलित होंगे ज्योति कलश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ हो रही है। इस वर्ष पूरे नौ दिनों का नवरात्र है। नवरात्र को लेकर जिला मुख्यायलय अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में देवी मंदिरों में तैयारी पूर्ण कर ली गई है। नवरात्र के पहले दिन से ही देवी मंदिरों में मातारानी के दर्शन के लिए भक्तों का रेला उमड़ेगा। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना या घट स्थापना का महत्व है। प्रथम दिन देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में भी ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होंगे। शहर के मां महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाए गए हैं। इस नवरात्र पर महामाया मंदिर में लगभग 48 सौ से ज्यादा ज्योति कलाश प्रज्ज्वलित किए जाने की उम्मीद है। वहीं गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भी 2 हजार के करीब ज्योति कलश प्रज्जवलित होने के अनुमान है। महामाया मंदिर में सुबह की आरती 5.30 बजे व शाम

की आरती 7.30 बजे होगी। महामाया मंदिर में नवरात के पहले दिन काफी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का उम्मीद है। इसे लेकर मंदिर समिति द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है। श्रद्धालुओं को मां के दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार करना पड़ेगा। लोग कतार में खड़े होकर मां के दर्शन कर पाएंगे। दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए मंदिर समिति द्वारा पूरी तैयारी की गई है। महामाया मंदिर में नवरात्र के अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो और श्रद्धालुओं के सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात की गई है। महामाया मंदिर परिसर के लिए कई पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

एक करोड़ की लागत से लगे नए विद्युत स्तंभ,कई कार्य पूर्ण,कुछ प्रगति पर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शहर में स्ट्रीट लाइटिंग और विद्युत स्तंभ स्थापना के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण मंगलवार को जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया गया। साई मंदिर और चांदनी चौक स्थित टाइमर बॉक्स से बटन दबाकर इन कार्यों की शुरुआत की गई। नई स्ट्रीट लाइटों से रोशन हुई सडक़ों को देखकर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,महापौर मंजूषा भगत,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा चांदनी चौक से घुटरापारा रोड तक स्ट्रीट लाइटिंग कार्य का भी लोकार्पण किया गया। नगर निगम द्वारा 15 वें वित्त आयोग के तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटिंग और विद्युत स्तंभ स्थापना के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें चांदनी चौक-घुटरापारा रोड, पीजी कॉलेज वॉकिंग ट्रैक, महेश्वर मंदिर नवापारा से मुक्तिपारा मार्ग,गांधी स्टेडियम और अन्य क्षेत्रों में कार्य शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार कुल आठ में से छह कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि दो कार्य अभी जारी हैं। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि महापौर परिषद के एक वर्ष पूर्ण होने पर शहर के विकास

कार्यों को गति दी जा रही है। सडक़,नाली,पानी और सफाई के साथ स्ट्रीट लाइटिंग का विस्तार भी शहर को सुंदर और सुरक्षित बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। आउटर वार्डों में भी जनप्रतिनिधियों के सुझाव पर काम कराया गया है। विद्युत विभाग के प्रभारी सदस्य मनीष सिंह ने कहा कि आने वाले समय में अन्य सडक़ों पर भी इसी तरह की लाइटिंग व्यवस्था की जाएगी। वहीं पार्षद जितेंद्र सोनी ने बताया कि घुटरापारा रोड पर लाइट लगने से आवागमन आसान होगा और नवरात्रि के दौरान महामाया मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,स्थानीय नागरिक,निगम अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

वंदे मातरम् की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम स्क्रीन टाइम के सही उपयोग पर जोर

तकनीकी शिक्षा में समय प्रबंधन और नवाचार को लेकर विद्यार्थियों को किया प्रेरित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में स्क्रीन टाइम टू टेक्निकल टाइम इन टेक्निकल एजुकेशन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती, भारत माता और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद रामनिधि यादव ने वंदे मातरम् का मधुर गायन प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री अनंत सोनी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर मंत्री सत्येन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत संस्था के प्राचार्य डॉ. राम नारायण खरे ने किया। स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में स्क्रीन का उपयोग बढ़ा है, लेकिन इसका सही दिशा में उपयोग कर इसे तकनीकी ज्ञान और विकास का माध्यम बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित स्क्रीन टाइम समय और उत्पादकता को प्रभावित करता है,जबकि इसका संतुलित उपयोग विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बना सकता है। कार्यक्रम के दौरान सूरज पटेल ने देश मेरे गीत की प्रस्तुति दी। विशिष्ट अतिथि सत्येन्द्र मिश्रा ने विद्यार्थियों को अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हुए कहा कि सही दिशा में तकनीक का उपयोग उन्हें बेहतर इंजीनियर और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बना सकता है। मुख्य अतिथि अनंत सोनी ने समय प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को तकनीक के माध्यम से नवाचार, स्टार्टअप और नए विचारों की ओर बढने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने तकनीकी शिक्षा के साथ देशभक्ति और संस्कृति के समन्वय पर भी बल दिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का शॉल,श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक महीधर दुबे ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन पूनम दीवान ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मौसम का दोहरा असर,दिन में तेज धूप शाम को बारिश-ओले, किसान चिंतित

मैनपाट में 20 मिनट की ओलावृष्टि,आम-लीची व महुआ की फसल को नुकसान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में इन दिनों मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। दिन में तेज धूप और गर्मी का एहसास हो रहा है,वहीं शाम होते ही मौसम अचानक बदल रहा है। बादल छाने के साथ कई क्षेत्रों में बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। मंगलवार रात मैनपाट में करीब 20 मिनट तक तेज ओले गिरे, जिससे खेत, खलिहान और सडक़ें सफेद चादर से ढंक गई। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम विभाग ने पहले ही बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई थी। इसका असर अब साफ तौर पर नजर आ रहा है। मैनपाट के अलावा सीतापुर और आसपास के क्षेत्रों में भी छिटपुट ओले गिरे हैं। मंगलवार शाम से ही मैनपाट क्षेत्र में तेज हवाएं चलने लगी थीं और बूंदाबांदी शुरू हो गई थी। रात करीब 11 बजे मौसम अचानक बिगड़ा और तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि शुरू हो गई। हालांकि देर रात होने के कारण लोग घरों में ही रहे, लेकिन सुबह जब लोग बाहर निकले तो कई इलाकों में ओलों की सफेद परत दिखाई दी। मौसम के इस बदलाव ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

फसलों पर सीधा असर : बारिश और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर बागवानी फसलों पर पड़ा है। आम के पेड़ों में इस समय बौर और अंबिया आ रही हैं, जबकि महुआ गिरने का समय है। ऐसे में ओलों की मार से इन फसलों को नुकसान पहुंचा है। लीची के पेड़ों पर भी इसका असर देखा जा रहा है। इसके अलावा टमाटर की फसल को भी नुकसान हुआ है,जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान की आशंका है।

मौसम का बदलता ट्रेंड

पिछले तीन-चार दिनों से सुबह और दोपहर में तेज धूप निकल रही है,लेकिन शाम होते ही मौसम का मिजाज बदल जा रहा है। अचानक बादल छाने, तेज हवाएं चलने और बारिश-ओले गिरने की स्थिति बन रही है। यह बदलाव लोगों के दैनिक जीवन को भी प्रभावित कर रहा है।

तापमान में उतार-चढ़ाव

लगातार बादल छाए रहने से अधिकतम तापमान में करीब 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। अंबिकापुर में पहले अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री तक पहुंच गया था, जो अब घटकर 33 से 34 डिग्री के बीच बना हुआ है। वहीं न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई है, जिससे रात में ठंडक कम महसूस हो रही है।

अगले तीन दिन अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार आगामी तीन दिन तक सरगुजा संभाग में मौसम इसी तरह बना रहेगा। बादल छाए रहेंगे, कई इलाकों में बारिश होगी और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। कुल मिलाकर मौसम का यह बदला हुआ मिजाज आम लोगों के लिए राहत भरा है, लेकिन किसानों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है।

चोरी कर भाग रहा था नाबालिग, परिजन ने पकडक़र पुलिस को सौंपा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

बतौली के ग्राम पोपरेंगाा निवासी दंपति 17 मार्च को खेत में काम करने गए थे। इधर एक नाबालिग बालक ने घर का ताला तोडक़र अलमारी में रखे 1 लाख रुपए चोरी कर भाग रहा था। परिजन गांव वालों की मदद से पकडक़र पुलिस को सौंप दिया है। जब उसकी पैकेट की तलाशी ली गई तो 1 लाख 31 सौ रुपए नकद व करीब 1 लाख का जेवरात पाया गया। पोपरेंगा निवासी भिनसारी मिंज ने पुलिस को बताया कि 17 मार्च को पति के साथ खेत में काम करने गई थी। घर में ताला बंद था। करीब 11 बजे पति वापस आया तो घर का ताला टूटा था। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखे 1 लाख रुपए नहीं थे। पड़ोस में रहने वाली महिला ने बताई की एक व्यक्ति घर के पास घूम रहा था। गांव वालों की मदद से दौड़ाकर बालक को पकड़ा और उसकी पैके की तलाशी ली तो 1 लाख 31 सौ रुपए नकद व करीब 1 लाख का जेवरात पाया गया। परिजन ने नाबालिग को पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने रुपए व जेवरात को जब्त कर नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है।

कुत्ते के काटने के बाद कराती रही झाडफ़ूंक...मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शंकरगढ़ के ग्राम गम्हारडीह निवासी महिला को एक माह पूर्व कुत्ते ने काट लिया था। परिजन उसे अस्पताल में इलाज कराने व एंटी रैबीज लगवाने के बजाए गांव में ही झाडफ़ूंक करा रहे थे। 16 मार्च को अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई और इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कमिला पति बदेश्वर उम्र 34 वर्ष बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गम्हारडीह की रहने वाली थी। वह 1 माह पूर्व पति व बच्चों के साथ जंगल लकड़ी लेने गई थी। वापस आने के दौरान दोनों हाथ में कुत्ते ने काट लिया था। परिजन उसे अस्पताल में इलाज कराने व एंटी रैबीज लगवाने के बजाए गांव में ही झाडफ़ूंक करा रहे थे। 16 मार्च को अचानक उसकी तबियत बिगड़,परिजन उसे इलाज के लिए शंकरगढ़ अस्पताल ले गए। यहां उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

तीन दिवसीय ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर संपन्न,169 बच्चों ने लिया प्रशिक्षण

आत्मरक्षा के गुर सीखकर बच्चों में बढ़ा आत्मविश्वास,अतिथियों ने किया सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

ताइक्वांडो क्लब पुलिस लाइन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एडवांस ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर 13 से 15 मार्च तक स्थानीय राजमोहिनी देवी सामुदायिक भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में कुल 169 बच्चों ने भाग लेकर ताइक्वांडो के विभिन्न तकनीकी गुर सीखे। शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान जिला महामंत्री विनोद हर्ष,पार्षद मनोज गुप्ता,विकास पांडे,पूर्व नेता प्रतिपक्ष जन्मेजय मिश्रा और रूपेश दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ क्लब संरक्षक विजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष देवेश वर्मा, पूर्व पार्षद रविंद्र गुप्ता भारती, पार्षद अनीता भारती और पत्रकार मनीषा सिन्हा मौजूद रहीं। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में विदिशा के नेशनल रेफरी ध्रुव लोधी और कोरबा की प्रशिक्षक स्नेहा साहू ने बच्चों को ताइक्वांडो की बारीकियां सिखाईं। शिविर में स्थानीय बच्चों के साथ एकलव्य आवासीय विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय अंबिकापुर व उदयपुर की छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। साथ ही बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए मनोरंजन सत्र भी आयोजित किया गया।

अतिथियों ने प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि ताइक्वांडो आत्मरक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी खेल है। बच्चों को इसे सीखना चाहिए,ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और भविष्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम का संचालन संतोष दास ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अनिल द्विवेदी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशिक्षक, अभिभावक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लखनपुर की जामा मस्जिद में तरावीह मुकम्मल,मिलाद शरीफ का आयोजन

-संवाददाता-
लखनपुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर की जामा मस्जिद में माह-ए-रमज़ान के मुबारक मौके पर तरावीह की नमाज़ में कुरआन शरीफ मुकम्मल होने पर मिलाद शरीफ का इस्तकबालिया प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस अवसर पर तरावीह में कुरआन-ए-पाक मुकम्मल सुनाने वाले हाफ़िज़ महताब आलम साहब का फूलमाला पहनाकर और दस्तारबंदी कर इस्तकबाल किया गया तथा नजराना-ए-अक़ीदत पेश किया

गया। मस्जिद कमेटी की ओर से हाफ़िज़ साहब को एक लाख एक हजार सात सौ छियासी (1,01,786) रुपये का चेक भी भेंट किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में मौजूद तमाम लोगों ने हाफ़िज़ साहब की खिदमत और मेहनत की सराहना की तथा उनके लिए दिल से दुआएं कीं। पूरा माहौल रूहानियत और इबादत के जज़्बे से सराबोर रहा। मस्जिद कमेटी की ओर से कहा गया कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल दीन की मोहब्बत बढ़ती है,बल्कि समाज में भाईचारा, इत्तेहाद और अमन को भी मजबूती मिलती है। इस कार्यक्रम में अंजुमन गोसिया कमेटी के सदर,हाजी इदरीश खान सेक्रेटरी नसरत अली खजांची, नुमान खान,पूर्व सदर हाजी कयामुद्दीन अंसारी,शराफत अली, हाजी इशहाक खान,मौलाना हसन रजा, कमेटी के सदस्य मतीन अख्तर,वसीम खान,जौहर अली, और मुस्लिम समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कीटनाशक सेवन कर वृद्ध ने की आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम डिगमा में एक वृद्ध ने कीटनाशक सेवन कर आत्महत्या कर ली। इलाज के दौरान उसने बेटे बताया कि तेरी मां की मौत के बाद मन नहीं लग रहा था इस लिए कीटनाशक सेवन कर लिया। जानकारी के अनुसार बनीकांत जद्दार उम्र 67 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा का रहने वाला था। वह 17 मार्च की शाम को झोला लेकर बाइक से बाजार जाने निकला था। कुछ देर बाद घर वापस अया और उल्टी करने लगा। परिजन उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराए। पूछने पर बेटे को बताया कि तुम्हारी मां के मौत के बाद मन नहीं लगता था। इस लिए कीटनाशक सेवन कर लिया हूं, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अजब गजब : एमसीबी में 'हवाई' पाइपलाइन ! पुलिया के ऊपर पाइप और बोतल के ढक्कन से रुक रहा जल जीवन का भ्रष्टाचार

पुलियों के ऊपर पाइप,सड़कों पर गड्ढे: बड़गांव कला में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 'हर घर जल' योजना

- **सपना या छलावा ?** बोतल के ढक्कन का सहारा,कीचड़ में बहा 'जल जीवन' हवाई पाइपलाइन का खेल
- अधूरा काम,पूरा भुगतान! ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जिम्मेदार मौन,जनता परेशान

-संवाददाता-

एमसीबी,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

केंद्र सरकार की 'हर घर जल' योजना का सपना एमसीबी जिले के दूरस्थ वनांचल ग्राम बड़गांव कला में टूटता नजर आ रहा है, यहाँ जल जीवन मिशन के तहत सौर ऊर्जा संचालित पानी की टंकी तो खड़ी कर दी गई है, लेकिन धरातल पर योजना भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी है, स्थिति यह है कि पाइपलाइन जगह-जगह से फटी हुई है और पानी घरों तक पहुँचने के बजाय रास्तों पर बह रहा है।

बोतल के ढक्कन से 'कंट्रोल' हो रहा पानी

ग्राम बड़गांव कला में ठेकेदार और विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि गलियों में नल के ऊंचे-ऊंचे स्टैंड (ठीहे) तो बना दिए गए हैं, लेकिन उनमें टोटी (नल) लगाना ही भूल गए, ग्रामीण मजबूरन खाली पानी की बोतलों को पाइप के मुंह पर फंसाकर और उसके ढक्कन को कसकर पानी रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बावजूद हजारों लीटर साफ पानी प्रतिदिन व्यर्थ बहकर कीचड़ जमा कर रहा है।

योजना में भारी भ्रष्टाचार का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि काम की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि शुरू होते ही पाइपलाइन जवाब दे गई, गांव के कई हिस्सों में अभी तक कनेक्शन ही नहीं दिए गए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कागजों पर काम पूरा दिखाने के चक्कर में आधे गांव को छोड़ दिया गया है, बिछाई गई पाइपलाइन कई जगहों से क्षतिग्रस्त है, जिससे प्रेशर नहीं बन पा रहा, सौर ऊर्जा प्लांट और टंकी का रख-रखाव करने वाला कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौके पर नहीं रहता।

पाइपलाइन बिछाने के नाम पर खोदे गए गड्ढे नहीं भरे

जल जीवन मिशन की बदहाली का एक और भयावह चेहरा ग्राम बड़गांव कला में देखने को मिल रहा है। पाइपलाइन बिछाने ठेकेदार ने अपनी सुविधा के लिए गड्ढे तो खोद दिए, लेकिन काम खत्म होने के बाद उन्हें नियमानुसार आरसीसी से भरा नहीं गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पाइप डालने के बाद गड्ढों को मिट्टी से भी ठीक से नहीं भरा गया है, जिससे अंधेरे में इन गड्ढों से दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। बारिश के मौसम में इन रास्तों

पुलियों के 'ऊपर' से ही बिछा दी पाइपलाइन

एमसीबी जिले के वनांचल ग्राम बड़गांव कला में जल जीवन मिशन के कार्यों में तकनीकी मापदंडों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं,भ्रष्टाचार और जल्दबाजी का आलम यह है कि ठेकेदार ने गांव की छोटी पुलियों के ऊपर से ही पाइपलाइन बिछा दी है, न जमीन खोदी गई और न ही पाइप को सुरक्षा दी गई, बस खुलेआम पुलिया के ऊपर पाइप रखकर काम की 'इतिश्री' कर ली गई।

काम का कर दिया गया है भुगतान : सूत्र

सूत्रों से मिल रही जानकारी अनुसार काम का लगभग भुगतान कर दिया गया है, ऐसी स्थिति में काम करने वाले ठेकेदार के द्वारा दुबारा इस कार्य मे सुधार कारया जाएगा या नही यह भी बड़ा सवाल है।

नाम न छापने की शर्त पर एक ग्रामीण ने कहा...

साहब! नल तो लगा दिए लेकिन टोटी गायब है। हम बोतल फंसाकर पानी रोकते हैं। सरकार का पैसा पानी में बह रहा है और हम प्यासे हैं। '

ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश

वनांचल क्षेत्र के निवासियों में इस अव्यवस्था को लेकर भारी गुस्सा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों को बार-बार सूचित करने के बाद भी अब तक कोई सुनने वाला नहीं है, उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पाइपलाइन की मरम्मत कर हर घर में नल कनेक्शन सुचारू नहीं किया गया, तो वे जिला मुख्यालय का घेराव करेंगे।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर बैकुंठपुर में कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

मोदी गारंटी लागू करने की मांग,मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

प्रांतीय छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन (132 संगठनों) के आह्वान पर जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया, शाम 4 बजे विभिन्न विभागों के कर्मचारी और अधिकारी एकत्रित होकर शासन के खिलाफ आवाज बुलंद करते नजर आए, प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की। 'मोदी गारंटी लागू करो ', 'हमारी मांगें पूरी करो ','कर्मचारी एकता जिंदाबाद' जैसे नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित किया।

लंबित मांगों को लेकर आक्रोश

फेडरेशन के संभागीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ददा एवं संयोजक डॉ. आर. एस. चंदे ने बताया कि कर्मचारियों की कई महत्वपूर्ण मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है,इन मांगों में प्रमुख रूप से शामिल हैं महंगाई भत्ते की लंबित किश्तों का भुगतान, वेतन विसंगतियों का निराकरण,पदोन्नति संबंधी समस्याओं का समाधान,अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण,नियमित भर्ती अभियान शुरू करना।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन के बाद फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम संबोधित ज्ञापन

कोरिया कलेक्टर को सौंपा,इसमें कर्मचारियों की 11 सूत्रीय मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की गई।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

फेडरेशन पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बड़ी संख्या में कर्मचारी हुए शामिल

इस प्रदर्शन में कोरिया जिले के विभिन्न विभागों के कर्मचारी-अधिकारी एवं फेडरेशन के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे,जिससे कर्मचारियों की एकजुटता स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

युवा जोश और अनुभव का संगम: मनेंद्रगढ़ ब्लॉक कांग्रेस की नई कार्यकारिणी गठित

हर वर्ग को प्रतिनिधित्व,संगठन को नई दिशा और मजबूती देने का दावा

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है, इस नई टीम को संगठन में संतुलन, समावेश और मजबूती का प्रतीक बताया जा रहा है,जिसमें युवाओं के उत्साह और वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का प्रभावी समन्वय देखने को मिल रहा है, नई कार्यकारिणी में विविध वर्गों, आयु समूहों और जमीनी नेतृत्व को शामिल कर कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। अब देखना होगा कि यह टीम आगामी समय में जनहित के मुद्दों पर कितना प्रभावी प्रदर्शन करती है।

युवा से वरिष्ठ तक—हर आयु वर्ग को मौका- नवगठित कार्यकारिणी में 24 वर्ष के युवा से लेकर 62 वर्ष तक के अनुभवी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इससे संगठन में नई ऊर्जा के साथ-साथ अनुभव का मार्गदर्शन भी सुनिश्चित किया गया है।

समावेशी सोच : हर वर्ग को प्रतिनिधित्व- कार्यकारिणी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य एवं अल्पसंख्यक वर्ग को प्रतिनिधित्व दिया गया है, साथ ही महिलाओं

को भी महत्वपूर्ण पदों पर स्थान देकर कांग्रेस की समावेशी नीति को मजबूत किया गया है, इसके अलावा सरपंच और पार्षद जैसे जमीनी जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है, जिससे संगठन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो सके।

नई कार्यकारिणी में प्रमुख नियुक्तियां

- कोषाध्यक्षः मो. रमीज रजा
- उपाध्यक्षः गिरधर जायसवाल, मुकेश अग्रवाल, मो. इमरान खान, दीपक सिंह, राशिद अली, देव कुमार सिंह
- महामंत्रीः मो. सईद, राजेश खोपरागढ़े, शोभना वर्मा, अनिल केरकेट्टा, खोनेश्वर प्रसाद (के.डी.), स्नेहिल शुक्ला, रंजीत सिंह रैना, रंजन शर्मा
- सचिव : मो. सफी, गुलबशिया, मोहिनी महतो, सितेश्वर सिंह, अर्जुन सिंह, अजीत सिंह, गुलाम असगर, शुभम सिंह, नंद किशोर, संजय यादव
- कार्यकारिणी सदस्यः अनुज कुमार, धर्मपाल सिंह, हर्ष खटिक, विनोद जांगड़े, रामाकांत सिंह, प्रदीप सोनी

नेताओं के बयान

- ब्लॉक अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कि यह कार्यकारिणी युवाओं,अनुभवी साथियों और जनप्रतिनिधियों के संतुलन से तैयार की गई है,जिससे संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही दूसरी सूची जारी कर और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।
- जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने विश्वास जताया कि नई टीम बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करेगी और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएगी।
- पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने इसे कांग्रेस की समावेशी सोच का उदाहरण बताया,वहीं विधायक प्रत्याशी रमेश सिंह ने कहा कि युवाओं और महिलाओं को अवसर मिलने से संगठन में नई ऊर्जा आएगी।
- जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू ने कहा कि जमीनी कार्यकर्ताओं को स्थान मिलने से संगठन का जनाधार और मजबूत होगा।
- एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने युवाओं को जिम्मेदारी देने को कांग्रेस की पहचान बताया।
- पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल और पूर्व उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी ने भी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे संतुलित और सशक्त टीम बताया।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय बैठक में शामिल हुईं सुनीता कुर्रे

अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान,पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा पर हुई विस्तृत चर्चा

-संवाददाता-

कोरिया,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में विधानसभा में आयोजित राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक में कोरिया जिले की सक्रिय भाजपा नेता सुनीता कुर्रे ने सहभागिता की,इस बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान,पुनर्वास और सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई, सुनीता कुर्रे, जो लंबे समय से अनुसूचित जाति वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए कार्य कर रही हैं, वर्तमान में राज्य स्तरीय सर्वेक्षण समिति की सदस्य भी हैं। बैठक के दौरान उन्होंने विशेष रूप से हाथ से मैला उठाने वाले परिवारों के पुनर्वास, सम्मानजनक जीवन, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सुझाव रखे, राज्य स्तरीय इस बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के विकास को लेकर गंभीर पहल की झलक दिखाई दी,सुनीता कुर्रे की सक्रिय भागीदारी और सुझावों से यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में इस वर्ग के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

समग्र विकास पर फोकस-

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और पुनर्वास से संबंधित योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई कि योजनाओं का लाभ समय पर और सही पात्रों तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति वर्ग के समग्र विकास के लिए समन्वित, प्रभावी और संवेदनशील कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस वर्ग के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

जिलाध्यक्ष की प्रतिक्रिया

कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने बताया कि इस बैठक में उठाए गए मुद्दे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और सुनीता कुर्रे द्वारा रखे गए सुझावों से समाज के कमजोर वर्गों को लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार द्वारा बनाई जा रही योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित होंगी।

गायब धान,बंद कैमरे,बदली रिपोर्ट... सूरजपुर में धान खरीदी का संगठित खेल ?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले की धान खरीदी व्यवस्था अब केवल अनियमितताओं का मामला नहीं रह गई है,बल्कि यह एक बहु-स्तरीय,परतदार और संभावित संगठित तंत्र का संकेत देती दिखाई दे रही है,एक के बाद एक सामने आए तथ्य करोड़ों का घोटाला,हजारों क्विंटल धान की कमी,एआई कैमरों की रिपोर्टिंग बंद होना,जांच रिपोर्टों का विरोधाभास, रिकॉर्ड में अचानक खरीदी का विस्फोट और उठाव के दौरान 'सब बराबर' का पैटर्न,इन सभी को जोड़ने पर जो तस्वीर बनती है,वह बेहद चिंताजनक है,यह विस्तृत रिपोर्ट इन्हीं सभी पहलुओं को क्रमवार जोड़ते हुए उस पूरे मॉडल को समझने का प्रयास है,जो अब सवालों के केंद्र में है। (रिपोर्ट उपलब्ध दस्तावेजों, स्थानीय तथ्यों और सूत्रों के आधार पर तैयार की गई है। प्रशासनिक पक्ष प्राप्त होने पर प्रकाशित किया जाएगा।)

अध्याय 1: 11.69 करोड़ का खुला खेल... जब रिकॉर्ड भरे,गोदाम खाली मिले

सूरजपुर जिले के 10 से अधिक धान उपार्जन केंद्रों में किए गए भौतिक सत्यापन ने चौंकाने वाला सच उजागर किया, 37,734 क्विंटल धान की कमी, अनुमानित मूल्यः 11.69 करोड़ यह कमी किसी एक केंद्र तक सीमित नहीं, बल्कि कई केंद्रों में फैली हुई थी।

प्रमुख केंद्रों में कमी...

उमेश्वरपुर - 7,036 क्विंटल
सूरजपुर - 6,610 क्विंटल
टुकुडांड - 6,412 क्विंटल
शिवप्रसादनगर - 5,552 क्विंटल
लटोरी - 4,367 क्विंटल

मूल सवालः धान खरीदा गया,भुगतान हुआ,रिकॉर्ड में मौजूद-तो स्टॉक गया कहां ?

अध्याय 2 : निगरानी का 'ब्लाइंड स्पॉट' एआई कैमरे क्यों बंद हुए ?

धान खरीदी के दौरान एआई कैमरे सक्रिय थे,लेकिन खरीदी समाप्त होते ही उठाव (लिफ्टिंग) शुरू होते ही कैमरों की रिपोर्टिंग बंद हो गई,यही वह चरण है जहां धान गोदाम से निकलता है,ट्रांसपोर्ट होता है,रिकॉर्ड की सत्यता तय होती है आरोप सामने आए गाड़ियां खाली आती-जाती,लेकिन रिकॉर्ड में पूरा धान उठाव दर्ज,जहां निगरानी सबसे जरूरी थी,वहीं अंधेरा कर दिया गया।

अध्याय 3 : शून्य बनाने का मॉडल... कमी से बराबरी तक का सफर

सूत्रों और स्थानीय चर्चाओं के अनुसार पहले केंद्रों में धान की कमी पाई गई, बाद में उठाव के दौरान रिकॉर्ड पूरा कर दिया गया,इसे कहा जा रहा है,शून्य बनाने का मॉडल मतलब पहले कमी दिखती है,फिर रिकॉर्ड सुधरता है,अंत में सब बराबर, घोटाला खत्म नहीं होता,कागजों में संतुलित हो जाता है।

अध्याय 4 : शिवप्रसादनगर... पूरे खेल का केंद्र

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र इस पूरे मामले का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुका है,यहां घटनाएं सिर्फ संयोग नहीं, बल्कि एक पैटर्न दर्शाती हैं।

पहली जांच (7 जनवरी)

13,000 से अधिक बोरियां गायब

दूसरी जांच (24-25 जनवरी)

कोई कमी नहीं, स्टॉक पूरा
सवालः क्या धान 17 दिन में खुद वापस आ गया?

सिस्टम फेल या सिस्टम सेट ?

सभी पहलुओं को जोड़कर देखें तो घोटाला उजागर,कैमरे बंद,रिपोर्ट बदली,आंकड़े बढ़े,कार्रवाई रुकी यह केवल संयोग नहीं,बल्कि एक पैटर्न लगता है।

अंतिम निष्कर्ष...

यह सिर्फ धान का घोटाला नहीं...यह सिस्टम की पारदर्शिता और विश्वसनीयता की परीक्षा है, यदि समय रहते निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई नहीं हुई,तो यह मॉडल पूरे जिले में फैल सकता है-और तब नुकसान सिर्फ सरकारी खजाने का नहीं,बल्कि किसानों के विश्वास का भी होगा।

अंतिम सवाल...पूरे सिस्टम से

37,734 क्विंटल धान गया कहां ?
13 हजार बोरियां कैसे गायब हुईं और फिर कैसे आईं ?
एआई कैमरे क्यों बंद हुए ?
कौन-सी जांच सही है ?
क्या ऊपर तक संरक्षण है ?

11.69 करोड़ की कमी, 37,734 क्विंटल धान गायब

अध्याय 5: दो जांच,दो नतीजे-सच कौन सा ?

पहली रिपोर्टः घोटाले का संकेत
दूसरी रिपोर्टः सब ठीक

प्रशासनिक विरोधाभास

राजस्व विभाग कमी मानता है
खाद्य विभाग इनकार करता है

निष्कर्ष : सच दो हिस्सों में बंट गया है...

अध्याय 6: 35 हजार क्विंटल 13 दिन में - आंकड़ों की खेती ?

2 महीने में खरीदी: 65,000 क्विंटल
13 दिन में खरीदी: 35,000 क्विंटल
जबकि- किसान धान बेच चुके खेत खाली

सवालः धान खेत में उगा या फाइल में?

अध्याय 7 : 'एक धान - अनेक किसान' मॉडल

आरोप एक ही धान के साथ कई किसानों का सत्यापन, पोर्टल में खरीदी बढ़ाई गई, मतलबः धान वही... रिकॉर्ड कई।

अध्याय 8: बोरी वजन और चट सिस्टम में खेल

मानक बोरीः 40.700 किलो- वास्तविकः 35-38 किलो
परिणामः बोरी संख्या ज्यादा क्विंटल पूरा

चटा नियमः

1 चटा = 92000 क्विंटल
दावाः 2 चट में 35,000 क्विंटल
व्यंग्यः चट रबर की या धान डिजिटल?

अध्याय 9 : जमीन,बैंक और राइस मिल - नया एंगल

7.7 एकड़ जमीन ट्रांसफर- जमीन 3 बैंकों में बंधक- फिर भी रजिस्ट्री

सवाल

एनओसी किसने दी? पैसा कहां से आया?
उसी जमीन पर राइस मिल निर्माण की चर्चा

अध्याय 10: धान माफिया और सिस्टम का गठजोड़ ?

स्थानीय आरोप

केंद्र का संचालन बाहरी प्रभावशाली लोग करते हैं
समिति सिर्फ औपचारिक
कार्रवाई से पहले मामला दब जाता है

अध्याय 11: प्रशासन की भूमिका - कार्रवाई या मौन ?

अब तक- नोटिस जारी- जांच जारी
लेकिन- कोई ठोस कार्रवाई नहीं
कोई स्पष्ट जवाब नहीं

सवालः क्या सिस्टम खुद को बचा रहा है ?

अध्याय 12 : किसानों का भरोसा - सबसे बड़ा नुकसान

धान दिया
भुगतान मिला
लेकिन सिस्टम संदिग्ध
किसान पूछ रहे हैंः हमारा धान गया कहां?

अध्याय 13: मीडिया की भूमिका... सच सामने आया

लगातार रिपोर्टिंग के बाद-
प्रशासन सक्रिय हुआ
जांच शुरू हुई
घोटाला सामने आया
यह दिखाता है कि जिम्मेदार पत्रकारिता अभी भी असरदार है

कोरबा में भीषण सड़क हादसाः तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 3 युवकों

-संवाददाता-

कोरबा,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में आज यानी 18 मार्च को एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों को उजाड़ दिया। पाली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया। हादसे के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक तेज गति से आ रहा था और अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे जा रहे बाइक सवार युवकों को रौंदते हुए पलट गया। हादसा इतना अचानक था कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला।

इस घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान बृजपाल सिंह कंवर (23), मंगल सिंह (25) और ओम प्रकाश के रूप में हुई है। तीनों पोटापानी गांव के रहने वाले थे और दीपका स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह तीनों बाइक से काम पर जा रहे थे। इसी

दौरान नूनेरा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

हादसे के बाद ट्रक पलट गया और शव उसके नीचे दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों को शव निकालने के लिए हाइड्रा मशीन की मदद लेनी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद ट्रक हटाकर शवों को बाहर निकाला गया। ट्रक में लदा कोयला सड़क पर फैल गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

घटना से नाराज ग्रामीणों और परिजनों ने सुबह करीब 10 बजे चक्काजाम कर दिया। वे मुआवजे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। प्रशासन की ओर से मृतकों के परिजनों को 1.25-1.25 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा के बाद लोग शांत हुए और जाम समाप्त किया गया। पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा कर उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क0/...../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्ण कुमार आ0 स्व0 जीवन राम अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी राम मंदिर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-11 क मोहल्ला - राममंदिर मैदान, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3196/4813/119 रकबा 141.68 वर्गमीटर भूमि से अपना हक अनावेदक / क्रेता नरेश कुमार आ0 स्व0 जीवन राम अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 16.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर**

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क0/...../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्ण कुमार आ0 स्व0 जीवन राम अग्रवाल,जाति अग्रवाल,निवासी राम मंदिर रोड़ अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-11 क मोहल्ला-राममंदिर मैदान, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3196/4813/119 रकबा 141.68 वर्गमीटर भूमि से अपना हक अनावेदक / क्रेता नरेश कुमार आ0 स्व0 जीवन राम अग्रवाल,जाति अग्रवाल,निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 16.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर**

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर,दिनांक 6/03/2026

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-लहपटरा
तहसील - लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय राजवाड़े आ0 जयनंदन राम निवासी ग्राम लहपटरा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने माता स्व0 दुलारी बाई की मृत्यु दिनांक 4/09/2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनॉक 20/03/2026 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 20/03/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

तहसीलदार
लखनपुर
जिला-सरगुजा,छ0ग0

सील

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर,दिनांक 17/03/2026

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-केवरा
तहसील - लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चमरू राम आ0 स्व0 फुल्लु राम निवासी ग्राम - केवरा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (माता) स्व0 बालम बाई की मृत्यु दिनॉक 17.07.2022 को हो जाने से (जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनॉक 30/3/2026 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 30/3/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

तहसीलदार
लखनपुर
जिला-सरगुजा,छ0ग0

सील

CMYK

सूरजपुर से उठे गंभीर आरोप..

.पिता की ज़मीन बेटियों और परिचितों के नाम, अब बहस कानून, व्यवस्था और नैतिकता पर

रिश्ते पीछे, कागज़ आगे: बेटियों ने 'विरासत प्रबंधन' का नया मॉडल बनाया!

कोर्ट में मामला लंबित, कागज़ में जमीन ट्रांसफर: सूरजपुर में बेटियों पर बड़ा आरोप

अंबिकापुर में बना कागज़,सूरजपुर में हुआ कब्ज़ा-रिश्तों के नाम पर बड़ा खेल!

76 वर्षीय पिता की संपत्ति पर बेटियों का कब्ज़ा,बहू-पोते रह गए खाली हाथ

हक की लड़ाई से हड़पने तक,कोर्ट केस के बीच जमीन ट्रांसफर का बड़ा खुलासा

पावर ऑफ अटॉर्नी या प्लानिंग? पति-पुत्र गवाह,पिता बने पीड़ित

दूसरे जिले में बना दस्तावेज़,स्थानीय जांच से बचने की साजिश ?

नामांतरण के बाद बिक्री: क्या जमीन बना दी गई 'व्यवसाय' ?

गवाह भी अपने...जमीन भी अपनी...पिता सिर्फ नाम के मालिक !

कोर्ट इंतजार करता रहा,कागज़ों ने फैसला सुना दिया !

लंबित केस के बीच नामांतरण कैसे ? रजिस्ट्री सिस्टम पर उठे सवाल

फर्जी दस्तावेज़ या सिस्टम की चूक ? सूरजपुर मामला बना टेस्ट केस

कानून एक तरफ...कागज़ दूसरीतरफ...कौन भारी ?

पिता की जमीन बेटियों के नाम,बहू और दो मासूम बच्चों को कुछ नही

-शमरोज खान-

सूरजपुर,18 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कहते हैं कि परिवार है जहां सबसे पहले भरोसा और जिम्मेदारी दिखती है,पर सूरजपुर के एक हालिया मामले ने यही कथन उलटते हुए दिखाया है कि कभी-कभी भरोसा ही सबसे बड़ा जोखिम बन जाता है, 76 वर्षीय बुजुर्ग ने अपनी जमीन के संबंध में एक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप है कि उनकी ही बेटियों और कुछ अन्य परिचितों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे उनकी संपत्ति को अपने नाम कर लिया और कुछ हिस्सा बेच भी दिया, यह कहानी सिर्फ जमीन-विरासत का नहीं, बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं के संभव दुरुपयोग, प्रशासनिक सिस्टम की कमजोर जांच, और पारिवारिक रिश्तों के बीच लालच की भयावहता का उदाहरण भी बन गई है, नीचे पेश है इस मामले का विस्तार,उस शिकायत में दर्ज तथ्यों के आधार पर जिसे पीड़ित ने पुलिस के समक्ष रखा है,और उसके कानूनी-सामाजिक निहितार्थ।

स्थान का चयन: सूरजपुर से अंबिकापुर तक का सवाल

मामले में एक और अहम बात यह है कि जमीन और मामला सूरजपुर जिले से संबंधित है,पर पावर ऑफ अटॉर्नी का निर्माण दूसरे जिले,सरगुजा के अंबिकापुर में हुआ,कानूनी प्रक्रियाओं में ऐसा होना ज़रूरी नहीं है, पर सामान्यतः होता भी है कि दस्तावेज़ वही बनते हैं जहाँ संपत्ति है या जहाँ पक्षकार मौजूद हैं,अन्य जिले जाकर दस्तावेज़ तैयार कराना संयोग या रणनीति-दोनों रूपों में लिया जा सकता है,शिकायत से यह प्रश्न उठता है की क्या पावर ऑफ अटॉर्नी अंबिकापुर में केवल इसलिए बनाई गई ताकि सूरजपुर में किसी प्रकार की जांच,प्रत्यक्ष निगरानी या स्थानीय चेतावनी से बचा जा सके? क्या इससे यह संकेत मिलता है कि पहले से ही योजना की गई थी,ताकि कोई देखने-समझने वाला स्थानीय व्यक्ति या अधिकारी तुरंत न पकड़ पाता? स्थानीय प्रशासन, दस्तावेज सत्यापन प्रक्रियाओं और न्यायालयीन सक्रियता पर यह चुनौतियाँ सीधे संकेत देती हैं कि जांच के दायरे और पारदर्शिता पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्य आरोप: पावर ऑफ अटॉर्नी का संदिग्ध उपयोग

शिकायत का सबसे मजबूत और विवादित बिंदु पावर ऑफ अटॉर्नी से जुड़ा है,पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उनकी जानकारी या सहमति के बिना एक पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार की गई और उसी के आधार पर जमीन का नामांतरण कराया गया, खास बात यह कि इस पावर ऑफ अटॉर्नी की प्रक्रिया और उसमें शामिल लोग भी प्रश्न के घेरे में हैं,शिकायत में उल्लेख है कि एक बेटी ने स्वयं पावर ऑफ अटॉर्नी अपने नाम से बनवाई और उसमें अपने पति तथा पुत्र को गवाह बनाया, यह जहां पारिवारिक संधि जैसा दिखता है,वहीं कानूनी दृष्टि से यह कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है,क्या पावर ऑफ अटॉर्नी वास्तव में प्रार्थी द्वारा स्वेच्छा से और पूर्ण जानकारी के साथ दिया गया था? क्या दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की धोखाधड़ी या गलत प्रमाण प्रस्तुत किया गया? क्या गवाह स्वतंत्र और निष्पक्ष थे,या वे लाभार्थी परिवार से जुड़े सदस्य थे? यदि गवाहों और लाभार्थियों का संबंध इतना निकट हो कि उनमें स्वायत्तता या निष्पक्ष जांच की संभावना कम हो, तो दस्तावेज़ की वैधता और उसके आधार पर किए गए नामांतरण पर गंभीर संदेह बनता है, यह मामला केवल दस्तावेज बनाने का नहीं है; यह दस्तावेज के भरोसे,उसका इस्तेमाल और उससे होने वाले अधिकारों के दुरुपयोग का मुद्दा है।

किस तरह शुरू हुई 'हक की लड़ाई'

शिकायत के आधार पर,यह मामला शुरू हुआ जब पीड़ित के परिवार के एक सदस्य ने अधिकार या हिस्सेदारी की मांग लेकर न्यायालय का रुख किया,यह कोई असामान्य स्थिति नहीं है,संपत्ति विवाद सामान्य तौर पर कोर्ट में हल होते हैं,जब परिवार के भीतर विभाजन,अधिकार या हिस्सेदारी पर मतभेद हो, वे लोग, जिन्हें न्याय की उम्मीद होती है,अदालत के निर्णय का इंतजार करते हैं,यहां भी मामला न्यायालय के समक्ष था,निर्णय आना अभी बाक़ी था,परंतु इसी बीच,शिकायत में कहा गया है कि समानांतर रूप से फर्जी या संदिग्ध दस्तावेजों के जरिए संपत्ति का नामांतरण करवा लिया गया,यानी एक तरफ अदालत में लंबित मुकदमा, दूसरी तरफ जमीन का 'कागज़ी' कन्वर्जन,यह कौन सा संदेश देता है? क्या न्यायालयीन निर्णय की प्रतीक्षा निजी योजना की तुलना में कम महत्वपूर्ण समझी गई? क्या किसी को ऐसा भरोसा था कि न्याय कभी-कभी या देर से आए, इस दौरान काम पहले ही पूरा कर लिया जाए? इन सवालों का उत्तर इस घटना के गंभीर कानूनी और नैतिक पक्ष को उजागर करता है।

नामांतरण और बिक्री: कब किसे मिला क्या ?

पावर ऑफ अटॉर्नी का प्रयोग करके आंखों के सामने जमीन का नामांतरण और फिर उसकी कुछ हिस्सेदारी का दो अन्य व्यक्तियों को बेच देना यह संकेत करता है कि यह मामला सिर्फ एक पारिवारिक समझौता नहीं रहा,बल्कि इसमें आर्थिक लाभ का प्राथमिक उद्देश्य भी शामिल था,शिकायत में यह भी बताया गया है कि नामांतरण और बिक्री से जो पैसा मिला, वह पिता या संपत्ति के वास्तविक स्वामी को नहीं दिया गया,इसे कई दृष्टियों से देखा जा सकता है:

1. संपत्ति का तत्काल लाभ

यदि जमीन अपने नाम होने के बाद तुरन्त बेच दी जाती है, तो लाभ भी तुरंत हो सकता है।

2. धोखाधड़ी और अवैध लाभ

जमीन बेचकर मिले पैसे को उचित मालिक या कानूनी हितधारक को न देना,धोखाधड़ी का द्योतक है।

3. कानूनी प्रक्रिया की अनदेखी

न्यायालय में अभी मामला विचाराधीन हो सकता है, पर जमीन का नामांतरण और बिक्री इससे स्वतंत्र रुप से हो गया,यह खुद में कानूनी चुनौती है, इस प्रकार,यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यह मामला सिर्फ कागज़ी विवाद नहीं रहा,बल्कि कई कदम आगे बढ़कर वित्तीय लेन-देन और संपत्ति से जुड़ी आर्थिक योजनाओं में बदल गया।

अंतिम टिप्पणी

इस रिपोर्ट का उद्देश्य किसी पर तत्काल दोषारोपण नहीं, बल्कि आधिकारिक शिकायत के आधार पर सम्पूर्ण घटनाक्रम,कानूनी दिक्कतें और सामाजिक प्रभाव को व्यापक रूप से प्रस्तुत करना है,अंत में, यह खबर सिर्फ एक परिजनों की कहानी नहीं,बल्कि दिखावटी विरासत,दबे दर्द,और न्याय के लंबी राह की कहानी है,जिसे समाज और व्यवस्था दोनों को मिलकर सुनना और समझना होगा।

सामाजिक और नैतिक निहितार्थ...

इस पूरे विवाद का प्रभाव केवल कानूनी स्तर तक सीमित नहीं है, इसके अनेक सामाजिक और नैतिक निहितार्थ हैं,जिन पर विचार भी जरूरी है,विश्वास, जिम्मेदारी,और पारिवारिक संबंधों की नींव कमजोर हो सकती है,बहन-भाई,माता-पिता, और बच्चों के बीच सहयोग की भावना प्रभावित हो सकती है, संपत्ति संघर्ष में और अधिक लोगों को या पूरी समुदाय को सतर्क रहने की आवश्यकता है, बुजुर्ग या कमजोर सदस्य, जिनकी जानकारी या क्षमता सीमित होती है,उन्हें विशेष सुरक्षा और कानूनी सहायता की आवश्यकता है, यदि सिस्टम और प्रक्रिया इतनी फुर्तीली हैं कि कोई भी बिना गहराई से जांचे संपत्ति अपने नाम करा ले, तो विकास के नाम पर व्यवस्था का दुरुपयोग हो सकता है, राज्य स्तर पर नोटिफिकेशन, जागरूकता,और दस्तावेज सत्यापन के नियमों पर पुनर्विचार आवश्यक होता है, इस प्रकार की घटनाओं से सीख लेकर समाज को या सरकारी प्रणाली को निश्चित कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों की संख्या घट सके और बुजुर्गों तथा कमजोर वर्गों को सुरक्षित रखा जा सके।

पीड़ित की अपेक्षाएँ और बाकी रास्ता...

पीड़ित ने अपनी शिकायत में स्पष्ट मांगें रखीं हैं और वह चाहता है की एफआईआर दर्ज हो,फर्जी दस्तावेजों की जांच नामांतरण को रद्द करना और मूल स्थिति और जमीन वापस दिलाना इसके साथ,शिकायत की कॉपी उच्च अधिकारियों तक भी भेजी गई है,जिससे स्पष्ट है कि पीड़ित एक व्यापक और निष्पक्ष जांच चाहता है,अब सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रारंभिक जांच,दस्तावेज परीक्षण,गवाह पूछताछ,और अदालत में उचित सुनवाई का क्रम कितना व्यापक,निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से किया जाता है,समय की गति, धैर्य,और न्याय मिलना-इन सभी को लेकर पीड़ित का इंतजार जारी है। यह इंतजार सिर्फ उनके लिए नहीं,बल्कि अन्य संभावित पीड़ितों और समाज के लिए भी एक संदेश है कि न्याय मिलने में समय कितना महत्वपूर्ण है।

क्या यह सिर्फ एक सिर्फ़ मामला है, या चेतावनी ?

यह विवाद न केवल एक व्यक्तिगत या पारिवारिक मुद्दा है, बल्कि सिस्टम,कानून,और सामाजिक नैतिकता की परीक्षा भी है,रिश्तों का टूटना और विश्वास का कमजोर होना उस मानसिकता को दर्शाता है,जहां संपत्ति और आर्थिक लाभ का मोह रिश्तों से ऊपर उठ गया, प्रक्रिया की लापरवाही या रणनीतिक चालें दिखाती हैं कि यदि प्रशासनिक जांच और दस्तावेज सत्यापन मजबूत न हों,तो संभावित दुरुपयोग बहुत जल्दी हो सकता है,कानूनी ढाँचे और न्याय का इंतजार इस बात पर जोर देता है कि सद्गुण, नैतिकता और न्याय की प्रतीक्षा एक लंबे संघर्ष में तब्दील हो सकती है,जब तक कि प्रक्रियाएँ पूरी तरह सक्षम और पारदर्शी न हों,इसलिए इस खबर का महत्व केवल रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है,यह समाज,प्रशासन,और नीति निर्माता सभी को एक चेतावनी देता है कि दुरुपयोग या लालच की संभावना को रोकने के लिए क्या-क्या सुधार आवश्यक हैं, श्रेष्ठ समाधान वही है जिसमें परिवार,प्रणाली और न्याय-तीनों का संतुलन बना रहे,पर फिलहाल,इस मामले की गूँज यही कहती है कि कागज़ पहले, न्याय बाद-एसोसिएटेड जोखिम वास्तविक है।

कानूनी दृष्टि : संभावित धाराएँ और जटिलताएँ

यह मामला विभिन्न अवसरों पर आपराधिक और दीवानी कानूनी धाराओं से जुड़ सकता है निश्चित रूप से इसे संबंधित प्राधिकरण और अदालत दोनों विस्तार से जांचेंगे,फिर भी, शिकायत में उभरे बिंदुओं के आधार पर कुछ संभावित कानूनी पहलू इस प्रकार हैं, यदि किसी को गलत तरीके से लाभ पहुंचाने,झूठे दस्तावेज पेश करने या संपत्ति हड़पने की कोशिश की गई तो धोखाधड़ी का मामला बन सकता है, दस्तावेजों को फर्जी ढंग से तैयार करना,गलत साक्ष्य देना या किसी व्यक्ति का नाम गलत तरीके से इस्तेमाल करने को जालसाजी माना जा सकता है,यदि परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों ने मिलकर कोई योजना बनाई,जिसके तहत पिता को धोखा देकर संपत्ति ले ली गई, तो यह आपराधिक षड्यंत्र का दायरा भी हो सकता है, साथ ही सिविल मुकदमे में भी भूमि का अधिकार,नामांतरण की वैधता,और पिछले दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर बहस हो सकती है,जिससे दीर्घकालिक विवाद की संभावना रहती है, उपयुक्त न्यायिक प्रक्रिया और सतर्क प्रशासनिक जांच ही बताएगी कि किस प्रकार के दस्तावेज,क्या साक्ष्य,और किस स्तर पर गवाहों का उपयोग सही था या गलत, तथा किसे न्याय मिलता है।

परिवार की संवेदनशील कड़ी: बहू और पोते

लैंड विवाद या संपत्ति विवाद अक्सर पारिवारिक विघटन भी लेकर आते हैं, लेकिन यह मामला उस विघटन का एक अत्यंत संवेदनशील चश्मा है, शिकायत में उल्लेख है कि पीड़ित के इकलौते पुत्र का निधन हो चुका है,और उनके पीछे उनकी पत्नी तथा दो छोटे बच्चे हैं। इन सबसे सवाल उठता है, बहू और पोते के लिए क्या कोई सुरक्षित रास्ता छोड़ा गया? क्या जमीन या धनराशि से उन्हें कोई भाग प्राप्त हुआ? क्या परिवार के वैकल्पिक हिस्सेदारों की सुरक्षा पर किसी ने विचार किया? शिकायत के अनुसार, उनके लिए कोई हिस्सा सुरक्षित नहीं रखा गया, जिससे यह स्पष्ट है कि सबसे कमजोर सदस्य को भी सदैव योजना के केंद्र में नहीं रखा गया,सामाजिक दृष्टि से यह मामला बताता है कि ग्रामीण या पारिवारिक संरचना में भी अगर लालच और योजना आगे बढ़े, तो सबसे कमजोर सदस्य सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

प्रशासनिक प्रणाली पर प्रश्न: रजिस्ट्री और सत्यापन

यह मामला सीधे तौर पर रजिस्ट्री,दस्तावेज सत्यापन, और प्रशासनिक प्रक्रिया के परीक्षण की मांग करता है, शिकायत में सवाल हैं, दस्तावेज की जांच और सत्यापन कैसे और किस स्तर पर हुआ? लंबित न्यायालयीन मुकदमे के तथ्य को रजिस्ट्री प्रक्रिया में क्यों नहीं ध्यान में रखा गया? गवाहों की विश्वसनीयता की कैसे पुष्टि की गई? इन प्रश्नों का जवाब,यदि उपलब्ध नहीं या अस्पष्ट है, तो इसका मतलब है कि प्रक्रिया में खामी या लापरवाही हो सकती है,सभी दस्तावेज और क्रियाएँ सही प्रकार से जांचे बिना आगे बढ़ना,शायद दस्तावेज तैयार करने वाले, रजिस्ट्रार कार्यालय के अधिकारी,या अन्य पक्षों ने नियमों की धज्जियाँ उड़ाई हों, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नामांतरण जैसे महत्वपूर्ण काम में सुरक्षा और जांच एकदम आवश्यक है, ताकि किसी भी तरह के धोखे या अवैध लाभ से बचा जा सके।

CMYK

फिल्म 'धुरंधर 2' आज होगी रिलीज

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल चुका है। आज रिलीज हो रही इस मोस्ट अवेटेड फिल्म को सेंसर बोर्ड से भी सर्टिफिकेट मिल चुका है। हाल ही में आई वैराइटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म को ए (एडल्ट ओनली) सर्टिफिकेट दिया है। यानी 18 साल से कम उम्र के लोग इस फिल्म को नहीं देख सकेंगे। आखिर फिल्म का नाम 'धुरंधर पार्ट 1' के बाद 'धुरंधर पार्ट 2' न रखकर, 'द रिवेंज' क्यों रखा गया है? क्योंकि अगर बात 'बदले' की ही है, तो हमजा ने रहमान डकैत को मारकर पिछली फिल्म में 'बदला' ले ही लिया था, जिसे वह असल में 26/11 का दोषी मानता था। 'धुरंधर 2' का रनटाइम 229.06 मिनट यानी 3 घंटे 49 मिनट और 6 सेकेंड है। डायरेक्टर आदित्य धर की यह सीक्वल फिल्म एक नहीं,बल्कि 8 'बदले' की खूंखार कहानी है। यह बदला, अजय सान्याल का है, यह बदला हमजा का है, यह बदला जसकीरत का है, बदला उजैर बलोच का है, बदला मेजर इकबाल का है। 'धुरंधरः द रिवेंज' की कहानी या ये कहें कि इसके प्लॉट को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारी सामने आई है। स्क्रीनराइटर और मनोज बाजपेयी की फिल्म 'जुगनुमा' के डायलॉग राइटर सिद्धार्थ अरोड़ा सहर ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया है। इसमें वह 'धुरंधर 2' के प्लॉट को लेकर कई खुलासे करते हैं।

आईबी चीफ अजय सान्याल का जहूर मिस्त्री से बदला : आपको पहले पार्ट का वह सीन याद होगा,जिसे मेकर्स ने 'धुरंधरः द रिवेंज' के ट्रेलर में भी सबसे पहले रखा।

वो सीन जहां कंधार में विमान अपहरण के बाद आतंकी जहूर मिस्त्री कहता है, 'पड़ोस में रहता हूं,गुदे भर का जोर लगा लो और बिगाड़ लो जो बिगाड़ सकते हो।' जहूर का किरदार एक्टर विवेक सिन्हा ने निभाया है। तो असल में 'धुरंधर 2' में यह 'बदला' आईबी चीफ अजय सान्याल का है।

जसकीरत सिंह रंगी का नफरतियों से बदला : अपने पोस्ट में सिद्धार्थ 'धुरंधर 2' के प्लॉट का खुलासा करते हुए बताते हैं, 'दूसरा बदला है जसकीरत सिंह का,जिसके मात-पिता को नफरतियों ने बड़ी बेदर्दी से मारकर पेड़ से लटका दिया था। ट्रेलर में हम देख ही चुके हैं कि जसकीरत कैसे उन्हें हिंसक तरीके से मार-काट रहा है। इसके बाद ही जसकीरत पर सान्याल की नजर पड़ेगी, उसकी ट्रेनिंग शुरू होगी। यह पहली बार होगा, जब हम किसी स्पाई फिल्म में हीरो की फिजिकल ट्रेनिंग के साथ-साथ उसकी भाषाई और ड्रामा (एक्टिंग) की ट्रेनिंग होते भी देखेंगे।'

उजैर बलोच लेगा अरशद पप्पू की गर्दन काटकर लेगा बदला : कहानी में तीसरा बदला उजैर बलोच का है। उसे लगता है कि उसके भाई रहमान डकैत को ल्यारी में उसके दुश्मन अरशद पप्पू के आदमियों ने एसपी चौधरी असलम के साथ मिलकर मारा था। ऐसे में उजैर सारा जोर लगा देगा। वह भरे बाजार में अरशद पप्पू की गर्दन काटकर, उसको जूते से कुचलेगा और उसके साथ फुटबॉल खेलेगा।

रिसेप्शन पार्टी में कृतिका और गौरव की केमिस्ट्री ने खींचा ध्यान

छोटे परदे की अभिनेत्री कृतिका कामरा और मशहूर होस्ट गौरव कपूर ने मुंबई में अपने दोस्तों और करीबियों के लिए एक शानदार वेडिंग रिसेप्शन आयोजित किया। इस जश्न की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और फैंस कपल की केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं। रिसेप्शन पार्टी में कृतिका कामरा और गौरव कपूर की जोड़ी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। कृतिका ब्लू रंग के बॉडी-हगिंग गाउन और डायमंड नेकलेस में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि गौरव ब्लू फॉर्मल सूट में काफी डैपर दिखाई दिए। वेन्यू में एंट्री करने से पहले दोनों ने पैपराजी के सामने जमकर तस्वीरें खिंचवाईं। एक वायरल वीडियो में कृतिका अपने पति गौरव का हाथ थामे मुस्कुराते हुए कैमरों के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं, जिसे देखकर फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। पूरे समारोह के दौरान दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे रहे और उनकी शानदार बॉन्डिंग ने सबका दिल जीत लिया।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों के बाद फैंस कपल की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कई यूजर्स ने दोनों की केमिस्ट्री को बेहद प्यारा बताया है। एक यूजर ने लिखा कि कृतिका को इतना खुश देखकर दिल खुश हो जाता है। वहीं दूसरे यूजर ने गौरव कपूर की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद विनम्र और समझदार इंसान हैं और दोनों की जोड़ी एकदम परफेक्ट लगती है। कुछ लोगों ने इस जोड़ी को इंडस्ट्री का नया पसंदीदा कपल भी बताया है। इस रिसेप्शन पार्टी में फिल्म, टीवी और क्रिकेट जगत की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में सोहा अली खान,युवराज सिंह और हैजल कीच,नसीरुददीन शाह,फराह अख्तर और शिबानी दांडेकर समेत कई सितारे मौजूद रहे। इसके अलावा क्रिकेटर जहीर खान और सागरिका घाटगे,आशीष नेहरा के साथ-साथ मलाइका अरोरा भी इस खास जश्न का हिस्सा बने।

बताया जाता है कि दिसंबर 2025 तक कृतिका कामरा और गौरव कपूर ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया था। बाद में कृतिका ने इंस्टाग्राम पर एक ब्रेकफास्ट डेट की तस्वीर साझा कर अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया। इसके बावजूद दोनों ने अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक निजी ही रखा। शादी की बात करें तो इस जोड़े ने मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर पर बेहद सादगी के साथ सात फेरे लिए। इस खास मौके पर कृतिका लाल रंग की पारंपरिक साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जबकि गौरव बेज रंग की शेरवानी में नजर आए।

मलाइका ने नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड 'मेजॉय' किया लॉन्च

फैशन की दुनिया में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोरा ने अपना नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड 'मेजॉय' लॉन्च किया है। 'मेजॉय' की शुरुआत एक बड़े और आकर्षक कलेक्शन के साथ की गई है,जिसमें 250 से ज्यादा अलग-अलग डिजाइन शामिल हैं। इस ब्रांड को उन्होंने एक्सीड इंटरनेशनल और मंत्रा जाबांग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर तैयार किया है। इस कलेक्शन में खास तौर पर हैंडबैग और लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी को प्रमुखता दी गई है। ब्रांड के पहले कलेक्शन में हैंडबैग के कई स्टाइल पेश किए गए हैं, जिनमें क्रॉसबॉडी बैग, स्ट्रक्चर्ड शोल्डर बैग, बकेट बैग, टोट बैग, ऑफिस के लिए क्लासिक बैग, बैकपैक और क्लच जैसे विकल्प शामिल हैं। इन बैग्स को सिंथेटिक लेदर, ब्रेडेड डिजाइन, साटन, राइनस्टोन और मेटैलिक फिनिश जैसे अलग-अलग मटेरियल से तैयार किया गया है। हर डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि वह फैशनेबल होने के साथ-साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए भी सुविधाजनक रहे।

हैंडबैग के अलावा ब्रांड में लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी का भी खास कलेक्शन पेश किया गया है। इसमें रिंग, ईयररिंग, पेंडेंट, ब्रेसलेट और टेनिस ब्रेसलेट जैसे कई आकर्षक डिजाइन शामिल किए गए हैं। इन ज्वेलरी पीस को सिल्वर, गोल्ड और रोज-गोल्ड टोन में तैयार किया गया है। ज्वेलरी का बेस 925 स्टर्लिंग सिल्वर से बनाया गया है, जिससे इसकी गुणवत्ता और मजबूती सुनिश्चित होती है। साथ ही इन ज्वेलरी में इस्तेमाल किए गए डायमंड को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं इंटरनेशनल गेमोलॉजीकल इंस्टीटयूट और गेमोलॉजिकल सर्टिफिकेशन इंस्टीटयूट से प्रमाणित किया गया है। 'मेजॉय' केवल एक फैशन ब्रांड नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक खास विचार भी जुड़ा हुआ है।

खेल समाचार

डी विलियर्स ने बुमराह को बताया टी20 का महान खिलाड़ी

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर रहे एबी डी डीविलियर्स ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टी20 का सबसे महान खिलाड़ी बताया है। डीविलियर्स के अनुसार क्रिस गेल,विराट कोहली और राशिद भी शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं पर बुमराह की बात ही कुछ और है। डीविलियर्स के अनुसार बुमराह को सबसे आगे बताने का कारण ये है कि हालात कैसे भी हों वह टीम को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं।डीविलियर्स के अनुसार बुमराह में कई प्रकार की खूबियां हैं। वह नई और पुरानी गेंद, दोनों से प्रभावी गेंदबाजी करते हैं। इसके अलावा दबाव में विकेट लेने की क्षमता,डेथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन, सुपर ओवर जैसे कठिन अवसरों पर मैच जिताने की क्षमता उनमें है। कुल मिलाकर देखो जाये तो आप किसी भी समय गेंद बुमराह को दे सकते हैं, और वह मैच जिता सकते हैं। डीविलियर्स ने अपनी करियर के दौरान आइपीएल सहित दुनिया की कई टी20 लीग खेली हैं। आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने गेल और विराट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया हैं। ऐसे मे उनका बुमराह को सबसे बेहतर बताना काफी महत्व रखना है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज अकीब जावेद ने भी बुमराह की जमकर प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि बुमराह का अनोखा एक्शन बल्लेबाजों को लय में नहीं आने देता। इसी दौरान उन्होंने बुमराह की तुलना पाक के युवा स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी। जिसके बाद प्रशंसकों ने उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल करते हुए कहा कि बुमराह के सामन तारिक कहीं नहीं हैं। ऐसे में तुलना नहीं हो सकती। आकिब की तुलना को लेकर सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने कड़ी नाराजगी भी जतायी। उनका कहना था कि इस प्रकार की बातें नहीं कही जानी चाहिये। कई लोगों ने इसे गलत तुलना बताया, कुछ ने बुमराह की क्लास को अलग स्तर का बताया। आम तौर पर टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों को ही महान माना जाता है पर जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने बुमराह को महान बताया है, उससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी कितनी प्रभावशाली है। वहीं अब गेंदबाजों का भी महत्व इस प्रारुप में सामने आ रहा है।

10 जुलाई से शुरु होंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा। ओलंपिक 2028 में फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव इसलिए किया जा रहा है जिससे यह टूर्नामेंट पहले से ज्यादा रोमांचक बन सके।

रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को किया बाहर
आर्सेनल और पीएसजी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। यूरोप के सबसे बड़े क्लब टूर्नामेंट यूईएफए चैंपियंस लीग में मंगलवार को खेले गए मुकाबलों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, जबकि आर्सेनल और पेरिस सेंट-जर्मेन ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। रियल मैड्रिड के लिए विनीसियस जूनियर हीरो बनकर उभरे। विनीसियस ने 2 गोल मारते हुए टीम की जीत पक्की की। उन्होंने शुरुआती बढ़त दिलाई और फिर इंजरी टाइम (93वें मिनट) में दूसरा गोल कर मुकाबला खत्म कर दिया। मैनचेस्टर सिटी की तरफ से एकमात्र गोल एर्लिंग हालैंड ने 41वें मिनट में लगाया। रियल मैड्रिड ने 2-1 से मैच जीता। इस हार के साथ पेप गार्डियोला की टीम लगातार तीसरे सीजन में मैड्रिड के हाथों बाहर हो गई। ब्राजीलियन ने मैड्रिड को उस समय बढ़त दिलाई जब बर्नार्डो सिल्वा को अपने ही बॉक्स के अंदर बॉल हैंडल करते हुए पाया गया। इसका मतलब यह भी था कि होम टीम के खिलाड़ी घटकर 10 रह गए। विनी जूनियर ने सिटी के फैंस से बदला लिया और रोते हुए जश्न मनाया। जीत के बाद विनीसियस ने कहा, 'पिछली बार जब हम यहां आए थे, तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस मेरा मजाक उड़ा रहे थे। मैं सिटी फैंस की बेइज्जती नहीं कर रहा था, लेकिन यह मेरे लिए उन्हें खुद को साबित करने का एक तरीका था। 'दूसरे मुकाबले में आर्सेनल ने बायर लेवरकुसेन को 2-0 से हराया और कुल स्कोर 3-1 से जीत दर्ज की। एबेरेची एजे ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि डेक्लान राइस ने दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित की। आर्सेनल के एबेरेची एजे ने अपना यूसीएल अकाउंट खोला गनर्स के लिए एक शानदार गोल से मिकेल आर्टेटा की टीम आसानी से क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई।

बायर लेवरकुसेन ने आर्सेनल के जोरदार शुरुआती स्पेल के बावजूद मजबूती से गोल किया, जिसमें गोलकीपर जेनिस ब्लासविच ने शानदार खेल दिखाया। लेकिन 37वें मिनट में उनकी मुश्किल तब टूट गई जब एजे ने एक शानदार लंबी दूरी से गोल किया, जिससे आर्सेनल को आखिरी-16 के मुश्किल मुकाबले में बढ़त मिल गई। डिफेंडिंग चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन ने चेल्सी को 3-0 से हराकर कुल स्कोर 8-2 से एकतरफा जीत दर्ज की। ब्रैडली बारकोला और सेनी मायुलु ने अहम गोल कर टीम को आसानी से अगले दौर में पहुंचाया।

सैमसन को शामिल करना सीएसके का अच्छा फैसला
फैन बेस और संतुलन मजबूत करेंगे : अनिल कुंबले

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी अब आईपीएल में देखने को मिलेगी। इस बार संजू राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की गुलाबी नहीं बल्कि चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की पीली जर्सी में दिखेंगे। आरआर के साथ खिलाड़ी और कप्तान के रूप में लंबा समय गुजारने के बाद सैमसन अब सीएसके के साथ नई भूमिका के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने सीएसके द्वारा संजू सैमसन को टीम में शामिल किए जाने के फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पीढ़ीगत बदलाव है। सैमसन का मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। कुंबले ने कहा कि सैमसन सिर्फ अपने खेल ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण भी सीएसके के लिए खास हैं। केरल में जन्मे और तमिल भाषा से जुड़ाव रखने वाले सैमसन टीम के फैन बेस को और मजबूत कर सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि सैमसन सीएसके में उपकप्तान हो सकते हैं। अगर किसी कारण से रुतुराज गायकवाड़ उपलब्ध नहीं होते हैं, तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सीजन के दौरान सैमसन को विकेटकीपिंग का मौका भी मिल सकता है। सीएसके में शामिल होकर सैमसन अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उनसे सिर्फ रन बनाने ही नहीं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन को बड़ी जिम्मेदारी,न्यू साउथ वेल्स के हेड कोच बने

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स पुरुष टीम ने अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। हैडिन पूर्व कोच ग्रेग शिपर्ड की जगह लेंगे। शिपर्ड का कॉन्ट्रैक्ट एक साल पहले समाप्त हो गया था। हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स को दिए एक बयान में कहा, 'न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट मेरी जिंदगी का एक अहम हिस्सा रहा है, और ब्लूज के हेड कोच के तौर पर फिर से टीम में शामिल होना मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का पल है। मैं न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट में एक नया जोश वापस लाने के लिए हमारे मौजूदा प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ काम करने और एक ऐसी टीम बनाने का इंतजार कर रहा हूं जिसके खेलने का स्टाइल जबरदस्त और खास हो, जिस पर हम सभी को गर्व हो। बैगी ब्लू पहनना बहुत खास था और इसने मुझे मेरे करियर की कुछ सबसे अच्छी यादें दीं। ' टीम के सीईओ ली जर्मन ने कहा, 'मुझे ब्रैड हैडिन का क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स में फिर से स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, ब्रैड एक बहुत जाने-माने कोच हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइज स्तर का अपार अनुभव है। न्यू साउथ वेल्स के खेलने के तरीके की गहरी समझ है। उम्मीद है कि वे हमारे कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे और आगामी टूर्नामेंटों के लिए टीम को मजबूती से तैयार करेंगे। ' हैडिन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ काम कर चुके हैं और मौजूदा समय में पंजाब किंग्स में रिकी पोंटिंग के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं।

पांड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुम्बई : हरभजन

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पांड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पांड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी।

आईसीसी से बात करने के बाद ही बीसीबी पर कोई निर्णय लिया जाएगा : अमीनुल हक

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने का बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का फैसला उसके गले की फांस बनते जा रहा है। खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि बीसीबी पर कोई भी फैसला लेने से पहले वह आईसीसी से सलाह लेंगे। बांग्लादेश के खेल मंत्री ने कहा है कि वह इस बात की जांच के लिए एक दूसरी कमेटी बनाने का भी प्लान बना रहे हैं कि बांग्लादेश इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा क्यों नहीं ले सका। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय ने 11 मार्च को बीसीबी चुनावों में गड़बड़ियों,हेरफेर और पावर के गलत इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। खेल मंत्री ने कहा था कि जांच कमेटी यह भी तय करेगी कि स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी में कमी क्यों आई और भविष्य में गलती न दोहराई जाए। बीसीबी ने सरकार की इस कार्रवाई को दखलअंदाजी बताया था। अमीनुल हक ने कहा है कि जांच के लिए गठित 5 सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद वह इस मामले पर आईसीसी से बात करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि पिछले साल बीसीबी चुनावों में हमारी पिछली सरकार ने सीधे दखलअंदाजी की थी। मैंने इस बारे में कई बार बात की है। ढाका क्लब और जिलों के आरोपों के बाद, हमने एक जांच कमिटी बनाई है। मैं रिपोर्ट पढ़ने और आईसीसी से बात करने के बाद ही कोई निर्णय लूंगा। 'जब बीसीबी चुनाव हुए थे,तब तमीम इकबाल और ढाका क्लब के अधिकारियों पर चुनाव इंजीनियरिंग के आरोप लगे थे। चुनाव से पहले बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम पर भी दखलंदाजी के आरोप थे। तमीम ने चुनावों से अपनी उम्मीदवारी 1 अक्टूबर को वापस ले ली,जबकि अमीनुल ने 5 अक्टूबर को इन आरोपों से इनकार किया।

सीएएफ ने मोरक्को को अफ्रीकन कप ऑफ नेशंस का चैंपियन घोषित किया,सीएएस जाएगी सेनेगल की टीम

नई दिल्ली,18 मार्च 2026। अफ्रीकी फुटबॉल में बड़ा विवाद सामने आया है। कन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल (सीएएफ) ने अफ्रीकन कप ऑफ नेशंस 2026 के फाइनल का नतीजा पलटते हुए मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। सीएएफ ने जनवरी में खेले गए विवादित फाइनल में सेनेगल की 1-0 की जीत को पलटकर 3-0 से मोरक्को के पक्ष में कर दिया। सीएएफ की अपील समिति ने कहा कि सेनेगल का मैदान छोड़ना टूर्नामेंट नियमों के आर्टिकल 82 और 84 का उल्लंघन है। इन नियमों के तहत बिना अनुमति मैच छोड़ने वाली टीम को हार मान लिया जाता है। इसी आधार पर मैच का परिणाम बदलते हुए मोरक्को को 3-0 से विजेता घोषित किया गया। 18 जनवरी को रबात में खेले गए फाइनल के दौरान स्टॉपेज टाइम में भारी विवाद हुआ। सेनेगल ने एक गोल किया,लेकिन रेफरी जीन-जैक्स नडाला ने मोरक्को के बॉक्स में फाउल बताते हुए गोल को रद्द कर दिया। इसके तुरंत बाद मोरक्को को पेनल्टी मिली, जब ब्राहिम डियाज को फाउल किया गया। इस फैसले से नाराज होकर सेनेगल के कोच पेप बौना थियाव ने अपनी टीम को मैदान से बाहर बुला लिया। करीब 20 मिनट बाद कप्तान सादियो माने के समझाने पर टीम वापस लौटी। हालांकि, तनाव बना रहा। पेनल्टी पर डियाज गोल नहीं कर सके, जिसे एडौर्ड मेंडी ने बचा लिया। इसके बाद पापा गुये ने 94 वें मिनट में गोल कर सेनेगल को जीत दिलाई थी। इस फैसले पर सेनेगल फुटबॉल फेडरेशन ने कड़ा विरोध जताया है। फेडरेशन के सचिव जनरल अब्दुलाये सेदौ सो ने इसे मजाक बताते हुए कहा कि फैसले का कोई कानूनी आधार नहीं है। सेनेगल इस मामले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) में ले जाएगा और आखिरी फैसले तक लड़ाई जारी रखेगा। इस फैसले के साथ मोरक्को ने 50 साल बाद अपना दूसरा अफ्रीकन कप ऑफ नेशंस खिताब जीत लिया। रॉयल मोरक्कन फुटबॉल फेडरेशन ने सीएएफ के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रतियोगिता के नियमों और स्थिरता को मजबूती मिलेगी। सीएएफ ने मोरक्को के इस्माइल सैबारी पर लगाया गया 100,000 डॉलर का जुर्माना हटा दिया।

विधानसभा में हंगामा...शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष का वॉकआउट

उद्योगपतियों को 253 एकड़ जमीन 5 लाख लीज पर दी

रायपुर,18 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा में कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह ने बालोद में हुए जंबूरी कार्यक्रम में अनियमितता का मुद्दा उठाया। उन्होंने स्कूल शिक्षामंत्री से सवाल पूछा कि आयोजन के लिए टेंडर से पहले काम कैसे शुरू हुआ और 4 दिन के अंदर काम कैसे पूरा हो गया। जवाब में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने शायरी पढ़ी और कहा कि नेशनल का काम अलग है और हमारा काम अलग है। वहीं, स्कूलों के युक्तियुक्तकरण पर सरकार से जवाब मांगा गया। अतिथि शिक्षकों के मुद्दे पर विपक्ष ने वॉकआउट किया। इसके साथ ही उद्योगों को कम दर पर जमीन आवंटन के मुद्दे पर सदन में विपक्ष ने हंगामा किया। खल्लारी विधायक द्वारकाधीश यादव ने उद्योग मंत्री से सवाल किया कि उद्योगपतियों को 253 एकड़ जमीन महज 4 लाख 82 हजार 302 प्रति हेक्टेयर की दर पर 99 साल के लिए दिया गया है। यह किस नियम के तहत आवंटित किए गए हैं। लखनलाल देवांगन ने जवाब दिया कि राज्य सरकार ने नवीन ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सौर विद्युत परियोजना लगाई जा सकती है। इस जवाब पर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया।

विधायक राघवेन्द्र सिंह ने बालोद में हुए जंबूरी में अनियमितता की शिकायतों पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया

- **राघवेन्द्र सिंह** – स्कूल शिक्षामंत्री भारत स्काउट गाइड के पदेन अध्यक्ष हैं, इसके लिए नियमों में क्या संशोधन किया गया और कब किया गया।
- **गजेन्द्र यादव** – स्काउट गाइड को लेकर यह सवाल दूसरी बार आया है। जवाब देने से पहले शायरी कही वफा जानते जब तुम, तो मेरी वफा समझा पाता प्रेम में कितना समर्पण था मेरे,यह तुझे मैं बता पाता बार-बार बेगुनाही की अपनी, कितना भरोसा दिलाऊं ऐ हमदम रूठकर बैठ जाते हो हर बार,कैसे मनाऊं ऐ हमदम जानते हो तुम बेदाग हैं हम, तुम्हारी इस महफिल में फिर भी इतने सवालात, जहन में क्यों आते हैं हमदम
- **गजेन्द्र यादव** – छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद पहले शिक्षामंत्री सत्यनारायण शर्मा थे। मध्यप्रदेश से अलग होने के बाद राज्य सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किया कि स्काउट गाइड एक स्वतंत्र संस्था है और इसका चुनाव होना चाहिए। सत्यनारायण शर्मा के अनुमोदन के बाद पहली बार चुनाव हुआ और वे निर्वाचित अध्यक्ष बने। आयुक्त के रूप में तरुण चटर्जी नियुक्त हुए। इसके बाद डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी यह प्रक्रिया जारी रही। बाद में जब भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने,तब प्रस्ताव पारित किया गया कि चुनाव के बजाय स्कूल शिक्षामंत्री पदेन अध्यक्ष होंगे और मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त व्यक्ति राज्य मुख्य आयुक्त बनाया जाएगा। इसमें भारत स्काउट गाइड ने अलग से कंडिका जोड़ी।
- **राघवेन्द्र सिंह** – 13 दिसंबर 2025 को आपको मनोनीत किया गया। 10 दिसंबर को पहला टेंडर निकला था। उससे पहले वह कौन सी समिति थी और उसके अध्यक्ष कौन थे, जिसके अनुसार जंबूरी आयोजन तय किया गया।
- **गजेन्द्र यादव** – छत्तीसगढ़ सरकार और जिला प्रशासन की बैठक हुई थी। इसमें राष्ट्रीय मुख्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष नया रायपुर और बालोद के दोनों स्थलों का निरीक्षण करने आए थे। उन्होंने बालोद का चयन किया। मेरे अध्यक्ष बनने से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। टेंडर मेरे कहने पर नहीं हुआ, बल्कि राज्य कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय लिया गया।
- **राघवेन्द्र सिंह** – 10 दिसंबर को निकला पहला टेंडर निरस्त कर नया टेंडर किया गया, जिसे 4 जनवरी 2026 को खोला जाना था। लेकिन टेंडर खुलने से पहले ही काम शुरू हो गया और टेंडर खुलने के चार दिन के भीतर ही सारे काम पूरे हो गए। यह कैसे संभव है।
- **एमएलए सुशांत शुक्ला** – वैसे ही संभव है, जैसे बोरे-बासी दिवस पर भेंट-मुलाकात में होता है।
- **राघवेन्द्र सिंह** – आप मुद्दे को डायवर्ट मत कीजिए। यह बोरे-बासी का सवाल नहीं है। मेरा सीधा सवाल है कि टेंडर खुलने से पहले काम शुरू हुआ। क्या इस पर विधानसभा की समिति से जांच कराई जाएगी।
- **गजेन्द्र यादव** – नेशनल का काम अलग था और हमारा काम अलग। उनका काम पहले पूरा हो गया था। हमारा काम 10 तारीख के बाद का था। जांच वहीं होती है, जहां कोई घोटाला हुआ हो।
- **चरणदास महंत** – पहले भी जब यह सवाल आया था, तब भी स्पष्ट जवाब नहीं मिला था। आज भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है। मंत्री गुमराह कर रहे हैं, इसलिए हम बहिर्गमन करते हैं।

विधायक विक्रम मंडावी ने उठाया अतिथि शिक्षकों का मुद्दा

- विक्रम मंडावी – अतिथि शिक्षकों को सरकार प्रतिमाह कितना वेतन दे रही है।
- गजेन्द्र यादव – 20 हजार रुपए प्रतिमाह निर्धारित है,जो उनकी उपस्थिति के आधार पर दिया जाता है।
- विक्रम मंडावी – क्या अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण के लिए कोई योजना बनाई जा रही है।
- गजेन्द्र यादव – ऐसी कोई योजना नहीं है। हम नियमित शिक्षकों की भर्ती कर रहे हैं, अतिथि शिक्षक अलग श्रेणी में आते हैं।
- विक्रम मंडावी – आपने कहा था कि सरकार बनने के बाद नियमितीकरण किया जाएगा।
- गजेन्द्र यादव – ऐसा कहीं नहीं कहा गया था।
- विक्रम मंडावी – मोदी की गारंटी में नियमितीकरण का वादा किया गया था।
- गजेन्द्र यादव – सदन में ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया है।
- उमेश पटेल – आपने 20 हजार रुपए प्रतिमाह और उपस्थिति के आधार पर भुगतान की बात कही है। यदि एक दिन अनुपस्थित रहते हैं तो कितना वेतन काटा जाता है। अतिथि शिक्षकों को एक दिन की भी छुट्टी नहीं मिलती।
- गजेन्द्र यादव – नियमितीकरण उन लोगों का किया जाता है जो डेली वेजेस पर कार्य करते हैं।
- उमेश पटेल – ये भी डेली वेजेस की तरह ही है, क्योंकि भुगतान प्रतिदिन के हिसाब से किया जा रहा है। नियमित कर्मचारियों को छुट्टी मिलती है और उनका वेतन नहीं कटता। मोदी की गारंटी को पूरा करेंगे या नहीं।
- गजेन्द्र यादव – मोदी जी की सभी गारंटी पूरी की जा रही हैं और आगे भी की जाएगी।
- उमेश पटेल – कब तक पूरी करेंगे, इसकी समय सीमा बताएं।

नसबंदी कांड...11 साल बाद फैसला

सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को 2 साल की जेल

बिलासपुर,18 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 'बिलासपुर नसबंदी कांड' में करीब 11 साल और 4 महीने के लंबे इंतजार के बाद जिला अदालत ने बुधवार को अपना फैसला सुना दिया है। एडीजे कोर्ट के न्यायाधीश शैलेश कुमार ने मुख्य आरोपी सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को गैर-इरादतन हत्या (धारा 304-ए) और लापरवाही का दोषी पाते हुए 2 साल के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने उन पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला नवंबर 2014 का है,जब सकरी क्षेत्र के नेमिचंद्र जैन अस्पताल सहित पेंडारी और पेंड्रा में सरकारी नसबंदी शिविर लगाए गए थे। इन शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाओं का ऑपरेशन किया गया था,

जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते 15 महिलाओं की मौत हो गई और 100 से अधिक महिलाओं को गंभीर हालत में सिम्स व अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा था। अदालत ने इस मामले में दवा सप्लाई से जुड़े महावर फार्मा और कविता फार्मास्युटिकल्स के संचालकों सहित 5 अन्य आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। बरी होने वालों में रमेश महावर,सुमित महावर,राकेश खरे, राजेश खरे और मनीष खरे शामिल हैं। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि इन आरोपियों की सामूहिक मौतों में क्या सीधी भूमिका थी। शुरुआती जांच में दवाओं में चूहे मारने वाले जहर (जिंक फास्फाइड) होने के आरोप लगे थे, लेकिन बाद में छत्तीसगढ़ स्टेट फॉरेंसिक लैब और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी की रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं हुई। लैब की इसी 'क्लीन चिट' ने आरोपियों के पक्ष को मजबूत कर दिया और उन्हें संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया। नसबंदी कांड के बाद यह मामला न केवल प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा था।

विधानसभा में खास मेहमान बने 140 आत्मसमर्पित नक्सली...

माओवादी लोकतंत्र पर जता रहे भरोसा : सीएम साय

रायपुर,18 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में शांति, विकास और विश्वास की नई तस्वीर सामने आई है। बीजापुर और कांकेर जिलों से आए 140 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर मुख्यधारा में लौटने की खुशी साझा की। मुख्यमंत्री साय ने आत्मसमर्पित नक्सलियों से आत्मसमर्पण से पहले के जीवन और वर्तमान परिस्थितियों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

संवाद के दौरान नक्सलियों ने बताया कि अब उनका जीवन पूरी तरह बदल चुका है–जहां पहले वे जंगलों में असुरक्षा और भय के बीच जीवन बिताते थे, वहीं अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्रों में अब सड़कों,बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे जीवन आसान हुआ है।

कुछ आत्मसमर्पित नक्सलियों ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने पहली बार होली जैसे त्योहार को परिवार के साथ मनाया–यह उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय केवल व्यक्तिगत बदलाव नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि संविधान पर विश्वास जताकर सभी ने एक सकारात्मक और प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास,रोजगार और सामाजिक पुनर्स्थापन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सलवाद उन्मूलन के संकल्प को शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक भी उपस्थित थीं।

जांजगीर में स्कूली बच्चों से भरी वैन पलटी

10 बच्चे घायल,शिक्षिका का कंधा टूटा

जांजगीर-चांपा, 18 मार्च 2026। जिले से बड़ी खबर सामने आई है, जहां स्कूली बच्चों से भरी एक वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में शिक्षिका सहित करीब 10 बच्चे घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम कुथुर का है। बताया जा रहा है कि सरस्वती शिशु मंदिर की वैन क्रमांक CG 11 BM 9940 मुड़पार से बच्चों को लेकर कुथुर आ रही थी। इसी दौरान रामनगर-कुथुर के पास वैन अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर तीन बार पलटी खाते हुए जा गिरी। बताया जा रहा है कि इस वैन को पीछे से ट्रैक्टर ने ठोकर मारी थी। हादसा इतना जबरदस्त था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही पामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और सभी बच्चों को वाहन से बाहर निकालकर तत्काल जांजगीर जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे में वैन में सवार मैडम सहित लगभग 11 बच्चे घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रायपुर में बदलेगा ईडी दफ्तर का पता, पुराने महापौर बंगले को इस्तेमाल किया जाएगा

रायपुर, 18 मार्च 2026। राजधानी रायपुर में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का पता बदलने वाला है। शहर के सुभाष स्टेडियम के पास स्थित पुराना महापौर बंगला अब ईडी का दफ्तर बनेगा। दरअसल ईडी ने अपने रीजनल ऑफिस के लिए करीब 4000 स्क्वायर फीट जगह मांगी थी। इसके बाद नगर निगम की एमआईसी बैठक में खाली पड़े पुराने महापौर बंगले को ईडी को देने का फैसला लिया गया। पुराना महापौर बंगला काफी समय से खाली पड़ा है, लेकिन अब इसमें रौनक लौटेगी। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के लिए भी एमआईसी की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। कोटा मुक्तिधाम के सामने बने सामुदायिक भवन को अस्थायी ऑफिस के तौर पर देने की मंजूरी दी गई है। महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शहर के प्रशासनिक कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए गए।

बिलासपुर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा हमला...

योगी आदित्यनाथ को बताया 'नकली हिंदू'

बिलासपुर,18 मार्च 2026। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को छत्तीसगढ़ के न्यायधानी बिलासपुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और धार्मिक मुद्दों पर अत्यंत तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बेमेतरा के एक कार्यक्रम से लौटते समय बिलासपुर में मीडिया से मुखातिब होते हुए शंकराचार्य ने सत्ताधारी दलों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोग असल में हिंदू हितों की अनदेखी कर रहे हैं। उनके इस बयान ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि उन्होंने सीधे तौर पर देश के कद्दावर नेताओं और संवैधानिक संस्थाओं

को निशाने पर लिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लाए गए नए नियमों और कानूनों पर शंकराचार्य ने कड़ा ऐतराज जताया।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यूजीसी का यह नया कानून हिंदुओं को आपस में बांटने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने इसे 'राष्ट्रद्रोह' की संज्ञा देते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर हिंदू समाज की एकता को खंडित करने वाले किसी भी नियम का क्रियान्वयन स्वीकार नहीं किया जाएगा। शंकराचार्य के अनुसार, यह कानून हिंदुओं के बीच भेदभाव पैदा करेगा और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचाएगा, जिसे रोकने के लिए वे हर स्तर पर विरोध दर्ज कराएंगे।

योगी आदित्यनाथ पर विवादास्पद बयान: 'असली हिंदू नहीं'

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोलते हुए उन्हें 'नकली हिंदू' करार दिया। उन्होंने तर्क दिया कि योगी आदित्यनाथ को हिंदू हितों की रक्षा और गौ-सेवा से जुड़े कार्यों के लिए 40 दिन का पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन वे स्वयं को साबित करने में पूरी तरह विफल रहे। शंकराचार्य ने कहा कि केवल भगवा वस्त्र धारण कर लेने से कोई असली हिंदू नहीं हो जाता, बल्कि हिंदू धर्म के मूल्यों और गौ-वंश की रक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता दिखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की राजनीति का एकमात्र उद्देश्य केवल वोट हासिल करना रह गया है।

रामकृष्ण हॉस्पिटल में हादसा...रायपुर में गटर सफाई के दौरान 3 स्वीपर की मौत

रायपुर,18 मार्च 2026। रायपुर के पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण अस्पताल के पीछे बने सीवरेज टैंक (गटर) की सफाई करने उतरे 3 सफाईकर्मियों की दम घुटने से मौत हो गई। वहीं, 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र की है। टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस के संपर्क में आने से तीनों बेहोश हो गए थे और देखते ही देखते उनकी जान चली गई। मृतकों में अनमोल मांझी, गोविंद सेंद्रे और पेर्रा कुमार शामिल हैं। वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मंगलवार रात की घटना के बाद अस्पताल के बाहर परिजनों ने हंगामा किया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झूमाझटकी भी हो गई। पुलिस पर पत्थर फेंके गए। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने 2 मौत की पुष्टि की है। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने निर्देश जारी किया है कि सैप्टिक टैंक की सफाई से पहले नगर निगम से परमिशन लेनी होगी और प्रशिक्षित सफाईकर्मी मशीनों से सफाई करेंगे। इसे लागू करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया हैं। रामकृष्ण हॉस्पिटल में हादसे के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। अस्पताल के बाहर मृतकों के परिजन बिलखते नजर आए। गोविंद सेंद्रे के भाई ने रोते हुए कहा- 'मेरा भाई मुझे लौटा दो '। परिजनों को अस्पताल के अंदर जाने से रोक दिया गया, जिससे आक्रोश बढ़ गया और पुलिस और परिजनों के बीच झूमाझटकी भी हुई।

हाउसिंग लोन घोटाले में 26 साल बाद ईओडब्ल्यू की कार्रवाई...गृह निर्माण सहकारी समिति के तत्कालीन अध्यक्ष और आवास पर्यवेक्षक गिरफ्तार

रायपुर,18 मार्च 2026। रायपुर में 26 साल पुराने हाउसिंग लोन घोटाले में कार्रवाई हुई है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने 1.86 करोड़ रुपए के फर्जी लोन मामले में गृह निर्माण सहकारी समिति के तत्कालीन अध्यक्ष थावरदास माधवानी और आवास पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ कि 1995 से 1998 के बीच गरीबों को मकान देने के नाम पर बड़ा घोटाला किया गया। 186 लोगों के नाम पर 1-1 लाख रुपए का लोन पास कराया गया, लेकिन जमीन पर एक भी मकान नहीं बना।जब जांच टीम मौके पर पहुंची, तो जिन जगहों पर मकान निर्माण दिखाया गया था, वहां कुछ भी नहीं मिला। यहां तक कि जिन लोगों के नाम पर

लोन लिया गया, वे भी वहां मौजूद नहीं थे। पूरे मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोन लिया गया। मकान निर्माण के फर्जी प्रमाण पत्र भी जारी किए गए और पूरी राशि आपस में बांट ली गई। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद 25 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। इस मामले के दो अन्य आरोपी पहले ही मृत्यु हो चुकी है।

12वीं हिंदी पेपर लीक मामला...कार्रवाई में देरी से नाराज एनएसयूआई

कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन,शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का फूंका पुतला

रायपुर,18 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी प्रश्नपत्र के कथित लीक मामले ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में हलचल पैदा कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडल ने सिटी कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए जांच साइबर सेल को सौंप दी है, लेकिन अब तक किसी ठोस कार्रवाई के अभाव में विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी को लेकर नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने राजधानी रायपुर के अंबेडकर चौक में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पॉल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का पुतला दहन कर सरकार

के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पेपर लीक मामले में शामिल दोषियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। हेमंत पॉल ने आरोप लगाया कि संगठन द्वारा पेपर लीक से जुड़े सभी आवश्यक सबूत प्रशासन और पुलिस को सौंप दिए गए हैं, इसके बावजूद अब तक न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई है और न ही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल जांच का हवाला देकर मामले से पल्ला झाड़ा जा रहा है, जो सीधे तौर पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई,तो एनएसयूआई शिक्षा मंत्री के निवास का घेराव करेगी और आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मामले को उजागर करने वालों को एफआईआर की धमकी दी जा रही है, लेकिन संगठन इससे पीछे हटने वाला नहीं है।

वहीं,मंडल और पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साइबर सेल वायरल हो रहे प्रश्नों की सत्यता की पड़ताल में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल,इस घटनाक्रम ने छात्रों और अभिभावकों के बीच चिंता का माहौल बना दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)